सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 295 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 08 अगस्त 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

छत्तीसगढ़ में अब तक 99 फीसदी बारिश हो चुकी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इस साल मानसून का प्रदर्शन शानदार है। एक जून से सात अगस्त की स्थिति में प्रदेश में औसतन 606.4 मिलीमीटर बारिश हुई है। यह सामान्य औसत वर्षा 612.8 मिलीमीटर का करीब 99 प्रतिशत है। इस अवधि के दौरान औसतन 10.9 मिलीमीटर बारिश हुई है। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में सामान्य की तुलना में 187.8 प्रतिशत यानी 872.8 मिलीमीटर वर्षा हुई है। वहीं उत्तरी छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में स्थिति चिंताजनक है, यहां अब तक सामान्य औसत का महज 65.6 प्रतिशत यानी केवल 304.5 मिलीमीटर पानी गिरा है।

हनी ट्रैप में फंसा भारतीय वायु सेना का अधिकारी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एक विंग कमांडर को संवेदनशील रक्षा जानकारी कथित तौर पर लीक करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में है। पुलिस के वरिष्ठ सूत्रों के मुताबिक, विंग कमांडर सोशल मीडिया पर एक महिला के संपर्क में आया। आरोप है कि महिला ने अधिकारी का भरोसा जीता और वीडियो कॉल और चैट के जरिए उससे सैन्य गतिविधियों और सैनिकों की तैनाती से जुड़ी जानकारी मांगने लगी। सूत्रों का दावा है कि अधिकारी ने डिजिटल माध्यमों के जरिए तस्वीरें, वीडियो और अन्य संवेदनशील दस्तावेज एवं डेटा महिला के साथ शेयर किए।

बस्तर के 92 गांवों में पहली बार फहरेगा तिरंगा

रायपुर। नक्सल हिंसा के दौर में जहां आजादी के बाद से राष्ट्रीय ध्वज नहीं फहराया जा सका, बस्तर के ऐसे 92 गांवों में 15 अगस्त को पहली बार तिरंगा फहरेगा। इनमें बीजापुर के 33, सुकमा के 50 और नारायणपुर के 9 गांव शामिल हैं। इसके साथ ही बस्तर संभाग में 500 से ज्यादा स्कूलों, प्रमुख चौराहों और सामुदायिक भवनों का नामकरण अमर शहीदों के नाम पर किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा ने शुक्रवार को भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में आयोजित पत्रकार वार्ता में प्रदेशभर में होने वाले 'हर घर तिरंगा' और 'तिरंगा यात्रा' अभियान की रूपरेखा साझा की। साव ने कहा कि अभियान का उद्देश्य युवा पीढ़ी को राष्ट्रभक्ति से जोड़ना, संवैधानिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना और सामाजिक समरसता को मजबूत करना है। प्रदेश की 450 से अधिक भाजपा मंडल इकाइयों के अलावा बड़े गांवों, ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों और विकासखंड मुख्यालयों में तिरंगा यात्राएं निकाली जाएंगी। प्रेस कांफ्रेंस में तिरंगा अभियान के प्रदेश प्रभारी यशवंत जैन मौजूद थे। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि 2024 से 2026 के बीच स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस के आयोजनों में बस्तर के ऐसे दूरस्थ गांवों में तिरंगा फहराया गया, जहां पहले कभी राष्ट्रध्वज नहीं लहराया था।

स्वतंत्रता दिवस पर 'अभिज्ञान' एप से होगी लाल किले की सुरक्षा, यहीं मनेगा आजादी का पर्व

नई दिल्ली (ए.)। हाल ही में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा और पिछले साल लाल किले के पास हुए विस्फोट की घटना के बाद इस बार स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए लाल किले और उसके आसपास खास सुरक्षा व्यवस्था की गई है। दिल्ली पुलिस करीब 20 हजार सुरक्षाकर्मियों की तैनाती के साथ लाल किला हाई-टेक निगरानी तंत्र का इस्तेमाल और उसके करेगी। इस बार व्यवस्था का अहम का हिस्सा 'अभिज्ञान' ऐप होगा, जो किसी भी सुरक्षा कवच संदिग्ध की पहचान महज 35 सेकंड में कर सकेगा।

दिल्ली पुलिस के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस में पहली बार बड़े स्तर पर अभिज्ञान ऐप को सुरक्षा ड्यूटी में शामिल किया गया है। यदि किसी संदिग्ध को रोका जाता है तो मौके पर ही उसके फिंगरप्रिंट मोबाइल डिवाइस से स्कैन होंगे। यह ऐप सीधे राष्ट्रीय आपराधिक डेटाबेस से जुड़कर कुछ ही सेकंड में बताएगा कि संबंधित व्यक्ति का कोई

आपराधिक रिकॉर्ड है या नहीं। अब तक यही प्रक्रिया फरेंसिक लैब के जरिए होती थी, इसमें कई दिन लग जाते थे। लाल किले के अंदर और आसपास अभी से ही सुरक्षाकर्मियो ने मोर्चा संभाल लिया है। बड़ी संख्या में पुलिस की तैनाती रहेगी।

सुरक्षा के बड़े इंतजाम

1000 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों से लाल किला इलाके की निगरानी होगी से अधिक बॉडी वॉर्न कैमरे और 200 हेडकाउट कैमरे रहेंगे तैनात। ड्रोन डिटेक्शन सिस्टम रहेंगे सक्रिय और 2 से 16 अगस्त तक ड्रोन, पैराग्लाइडर, हॉट एयर बैलून समेत सभी निजी हवाई उपकरणों पर प्रतिबंध रहेगा। सभी जिलों में बाजार, मेट्रो स्टेशन, बस अड्डों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में पैदल गश्त, फ्लैग मार्च और औचक निरीक्षण किया जाएगा। लाल किले के पांच पार्किंग क्षेत्रों में अंडर-वीकल सर्विलांस सिस्टम लगाए जाएंगे।

राष्ट्रीय प्रतीकों के अपमान पर होगी तीन साल की जेल, राष्ट्रगान और राष्ट्रीय गीत पर भी होगा लागू

केन्द्र सरकार ने राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण (संशोधन) अधिनियम 2026 को किया अधिसूचित

नई दिल्ली (ए.)। भारत सरकार ने राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान को और अधिक मजबूती देने के लिए एक बड़ा और कड़ा कदम उठाया है। केंद्र सरकार द्वारा 'राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2026' को आधिकारिक तौर पर अधिसूचित कर दिया गया है। इस नए कानून के तहत अब राष्ट्रगान के साथ-साथ राष्ट्रगीत के गायन में बाधा डालना या किसी भी प्रकार का व्यवधान पैदा करना भारी पड़ सकता है।

यह नया कानून 1971 के पुराने 'राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण अधिनियम' में महत्वपूर्ण संशोधन करता है। दोनों सदनों से पारित होने और राष्ट्रपति की अंतिम सहमति मिलने के बाद, इसे 6 अगस्त 2026 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया गया है। कानून का मुख्य आधार राष्ट्रीय गौरव के प्रतीकों की गरिमा को अक्षुण्ण बनाए रखना और उनके प्रति किसी भी प्रकार के जानबूझकर किए गए अपमानजनक कृत्यों को कानूनी दायरे में लाकर रोकना है।

कानून में हुए बदलाव के तहत पुराने कानून की धारा 3 को पूरी तरह से नए प्रावधान से बदल दिया गया है। अब नई धारा 3 के अंतर्गत न केवल राष्ट्रगान, बल्कि 'राष्ट्रगीत' को भी विशेष रूप से शामिल किया गया है। बदलाव यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया है कि देश की राष्ट्रीय पहचान से जुड़े इन दोनों प्रतीकों को समान कानूनी संरक्षण प्राप्त हो।

नए कानून के प्रावधान सख्त है। कानून की नई धारा 3 के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर राष्ट्रगान या राष्ट्रगीत के गायन को होने से रोकता है, गायन में लगी किसी भी सभा या जनसमूह के कार्य में बाधा डालता है तो दोषी पाए जाने पर तीन साल तक की जेल की सजा दी जा सकती है। कानून में जुर्माने का भी प्रावधान है। न्यायालय तीन साल तक जेल या जुर्माना, या दोनों की सजा सुना सकता है।

राष्ट्रगीत को कानूनी संरक्षण

यह संशोधन राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति देश के नागरिकों की संवैधानिक जिम्मेदारी को कानून के माध्यम से और अधिक स्पष्ट करता है। अब पुलिस -प्रशासन के पास राष्ट्रगीत के अपमान की स्थिति में भी सीधी कार्रवाई करने का अधिकार होगा।

शिवजी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी, भाजपा ने खोल दिया मोर्चा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राजधानी रायपुर में एक अराजक तत्व ने भगवान शिव पर बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी की है। इसे लेकर हिंदू समाज और हिंदुवादी संगठनों में भारी आक्रोश है। इस संबंध में छत्तीसगढ़ बीजेपी प्रदेश प्रवक्ता अमित चिमनानी ने मोर्चा खोल दिया है।

बीजेपी नेता चिमनानी और भाजपा विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक बृजेश पांडेय के नेतृत्व में भाजपा प्रतिनिधिमण्डल ने सिविल लाइन थाना प्रभारी को शिकायत पत्र सौंपा। पत्र में सनातन धर्म के आराध्य देवी-देवताओं और शिवलिंग पर बेहद अशोभनीय और आपत्तिजनक टिप्पणी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है।

भाजपा प्रतिनिधि मंडल ने पुलिस को बताया कि आरोपी हंसराज गोयल ने अपने फेसबुक एकाउंट पर भगवान शंकर के शिवलिंग को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की है। इस मामले में रायपुर निवासी अरुण पन्नालाल ने भी रिप्लाई करते हुए अशोभनीय कमेंट किया है।

भाजपा नेताओं ने कहा है कि इस तरह के कमेंट से हिन्दू धर्म के अनुयायियों एवं सनातनियों की भावनाएं आहत हुई हैं। दोनों आरोपी विभिन्न धर्मों के बीच घृणा एवं वैमनस्यता बढ़ाते हुए हिन्दू धर्म की भावनाओं को आहत किया है। इससे प्रदेश में शांति व्यवस्था बिगड़ने की आशंका है। धार्मिक सौहार्द्र बिगाड़ने और सनातन धर्म का अपमान करने के लिए हंसराज गोयल और अरुण पन्नालाल को गिरफ्तार किया जाये।

कांग्रेस ने गृहमंत्री को संसद में आकर जंतर-मंतर पर बयान देने को कहा

नई दिल्ली (ए.)। कांग्रेस पार्टी ने शनिवार को कहा कि गृह मंत्री अमित शाह के सदन में उपस्थित होकर सांसदों के सवालों का सामना नहीं करने के कारण संसद का कामकाज लगातार प्रभावित हो रहा है और ऐसे अब वर्तमान मानसून सत्र के चार कार्यदिवस बचे हैं तो उन्हें प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्यवाही को लेकर जवाब देना चाहिए।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि संसद का कामकाज लगातार 15 दिनों से सामान्य रूप से नहीं चल पाया तो एकमात्र वजह गृह मंत्री का दोनों सदनों में आकर पुलिस कार्रवाई पर बयान देने से इनकार करना है।

जयराम रमेश ने दावा किया कि अमित शाह संसद परिसर में अपने कक्ष में आते हैं और घंटों बैठे रहते हैं, लेकिन लोकसभा और राज्यसभा में आकर सांसदों का सामना करने तथा दिल्ली पुलिस की कार्रवाई पर सवालों के जवाब देने से बच रहे हैं।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री को सबसे पहले पुलिस की ज्यादतियों पर जवाब देना चाहिए।

कांग्रेस नेता ने कहा कि दिल्ली पुलिस सीधे गृह मंत्री के प्रभार और नियंत्रण में है और ऐसे में उन्हें सदन में आकर इस मुद्दे पर जवाब देना चाहिए। उन्होंने शाह के सदन से लगातार अनुपस्थित रहने को अभूतपूर्व करार दिया। रमेश ने कहा कि गृह मंत्री को पुलिस कार्रवाई पर अपना पक्ष रखना चाहिए।

कांग्रेस महासचिव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े 'चढ़ावा चोरी' और 'आस्था के साथ धोखे' के आरोपों पर जवाब देने की मांग की।

सरगुजा के पहाड़ों में मलेरिया की दस्तक, 39 मामले मिले

श्रीकंचनपथ समाचार

अम्बिकापुर। उदयपुर क्षेत्र के कई दूरस्थ गांवों में मलेरिया के 39 मरीज मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने जांच और निगरानी अभियान तेज किया है। 6 अगस्त को 75 लोगों की जांच में केवल एक संक्रमित मिला था। सीएमएचओ ने मौजूदा स्थिति को नियंत्रण में बताया है। अब तक 39 मरीजों में मलेरिया की पुष्टि हुई है, हालांकि हालिया जांच में संक्रमण के मामलों में कमी सामने आई है।

सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड के दूरस्थ और पहाड़ी इलाकों में मलेरिया संक्रमण के मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने निगरानी और जांच अभियान तेज कर दिया है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार उदयपुर क्षेत्र के पीजीवीटी ग्राम मतरिंगा, खर्रानगर, मुसरडांड, मुकना पहाड़, बारोपहाड़, बकोई और सेमीघोघरा में मलेरिया के मामले सामने आए हैं। 26 जुलाई को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उदयपुर की ओर से भेजी गई रिपोर्ट में 31 मरीजों के संक्रमित होने की जानकारी दी गई थी। इसके बाद हुई जांच में यह संख्या बढ़कर 39 हो गई।

सभी संक्रमित मरीजों में प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम मलेरिया की पुष्टि हुई है। संक्रमितों में छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक शामिल हैं। क्षेत्र में सबसे अधिक मामले मतरिंगा, मुसरडांड और खर्रानगर में सामने आए हैं।

युवती ने शादी से किया इंकार तो प्राइवेट फोटो कर दी वायरल, पुलिस ने दबोचा

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। सोशल मीडिया पर हुई दोस्ती कब परेशानी में बदल जाए, इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। ऐसे ही एक मामला छत्तीसगढ़ के तखतपुर थाना क्षेत्र से सामने आया है। इंस्टाग्राम के जरिए बलौदाबाजार जिले के एक युवक से युवती की दोस्ती हुई। बातचीत बढ़ी तो दोनों के बीच व्हाट्सऐप पर भी संपर्क होने लगा। इसी दौरान युवक ने कथित तौर पर युवती के निजी फोटो और वीडियो रिकॉर्ड कर लिया।

इसके बाद कहानी ने नया मोड़ ले लिया। आरोप है कि युवक इन्हीं फोटो और वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर युवती पर शादी करने का दबाव बनाने लगा। युवती ने जब उसकी बात मानने से इनकार किया तो युवक ने कथित तौर पर निजी फोटो और वीडियो वायरल कर दी।

युवती के मुताबिक, आरोपी ने धमकी के बाद उसके निजी फोटो और वीडियो वायरल कर दी। इसके बाद युवती ने हिम्मत जुटाकर पूरे मामले की जानकारी अपने परिजनों को दी और तखतपुर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए तखतपुर पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया और उसकी तलाश शुरू कर दी। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है।

कोरबा में मिला सबसे छोटा किंग कोबरा

कोरबा। कोरबा जिले में किंग कोबरा के प्राकृतिक प्रजनन की पुष्टि हुई है। बालको वन परिक्षेत्र के अजगरबहार गांव में लवभूषण प्रतापसिंह तंवर के घर के बाथरूम में 6 फीट का एक किंग कोबरा मिला, जिसे अब तक का सबसे छोटा किंग कोबरा बताया जा रहा है। सूचना मिलते ही वाइल्डलाइफ रेस्क्यू टीम प्रमुख जितेंद्र सारथी (नोवा नेचर) ने तत्काल वन मंडलाधिकारी प्रेमलता यादव को सूचित किया। उनके मार्गदर्शन में नोवा नेचर वेलफेयर सोसायटी की टीम अजगरबहार गांव पहुंची। टीम के सदस्यों ने वैज्ञानिक और सुरक्षित तरीके से इस छोटे किंग कोबरा का रेस्क्यू कर रेस्क्यू बैग में रख लिया।

मौसम की मार और जोखिम में जान

डूबी सड़कें : जान हथेली पर रखकर स्कूल जा रहे नौनिहाल

श्रीकंचनपथ समाचार

गरियाबंद। गरियाबंद के मैनपुर विकासखंड के खासरपारा में लगातार बारिश से कच्ची सड़कें तालाब बन गई हैं। बच्चों को कमरभर पानी पार कर स्कूल जाना पड़ रहा है। खासरपारा से टेकनपारा के बीच सड़क पर पानी भरने से बच्चे रोजाना जान जोखिम में डालकर रास्ता पार कर रहे हैं।

पिछले 24 घंटे के दौरान प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई, जबकि उत्तर छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में भारी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार 1 जून से अब तक प्रदेश में सामान्य से 7 प्रतिशत कम बारिश हुई है, जिसे सामान्य श्रेणी में रखा गया है।

इधर मौसम विभाग ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में आज भी बारिश का दौर जारी रहेगा। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होगी। उत्तर छत्तीसगढ़ में कुछ जगहों पर भारी बारिश और गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की संभावना है।

पिछले 24 घंटे में दुर्ग में प्रदेश का सबसे अधिकतम तापमान 32.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं पेंड्रा रोड में न्यूनतम तापमान 22 सेल्सियस रहा।

बंगाल की खाड़ी में सिस्टम

मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटे में गंगीय पश्चिम बंगाल के तटीय क्षेत्र और उससे लगे उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। इसका असर आने वाले दिनों में छत्तीसगढ़ के मौसम पर भी पड़ सकता है। इसके अलावा मानसून ट्रफ गंगानगर, दिल्ली, दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश में बने कम दबाव वाले क्षेत्र, रांची और दीघा से होते हुए पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी तक बनी हुई है।

संपादकीय

जायज जेन-जी

भागवत की सलाह, संवाद से समाधान तलाशें

अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने भी कहा है कि नई पीढ़ी को सुना जाना चाहिए। विरोध प्रदर्शन संवाद का एक वैध तरीका है। हाल ही में जेन-जी आंदोलन के प्रदर्शन के दौरान जो शिकायतें सामने आई हैं, वे जायज हैं। गुरुवार को जेन-जी से जुड़े एक कार्यक्रम में बातचीत के दौरान भागवत ने ये बातें कहीं। उन्होंने यह भी कहा कि विरोध करने वाले राष्ट्रविरोधी नहीं हैं। लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन भी सहमति बनाने का माध्यम है। हालांकि, विपक्ष ने तंज किया कि उन्हें यह सलाह सरकार को भी देनी चाहिए और यह भी कि आंदोलनकारियों की मांग को इतनी देर से क्यों सुना गया। बहरहाल, भागवत ने माना कि बहुत संभव है कि विरोध के दौरान मुद्दों को लेकर विचारों की भिन्नता हो, लेकिन चर्चा के बाद ही किसी विषय पर सहमति बनती है। साथ ही माना कि आंदोलन का उद्देश्य सहमति बनाना होना चाहिए, न कि समाज में विभाजन पैदा करना। उन्होंने माना कि भारत की शिक्षा व्यवस्था में बहुत कुछ बदलाव की जरूरत है, जो अभी तक नहीं हो पाया है। यही वजह है कि छात्रों का गुस्सा सामने आ रहा है, जिसे संवाद से दूर करने की जरूरत है। साथ ही, सख्ती नहीं, बातचीत के जरिये अपनापन का अहसास कराना भी जरूरी है। यह भी कि जेन-जी और जेन-अल्फा की सोच पहले की पीढ़ियों से भिन्न है। पहले की पीढ़ी बड़ों की बात मान लेती थी, सवाल नहीं करती थी। लेकिन नई पीढ़ी सवाल करने के साथ ही तर्कसंगत जवाब की आकांक्षा रखती है। निस्संदेह, बहस से कई विचार सामने आते हैं। हर व्यक्ति का अलग दृष्टिकोण होता है। लेकिन इसका सकारात्मक पक्ष यह है कि एक ही विषय के कई पहलू सामने आ सकते हैं। यह तय है कि विचार-प्रतिविचार के मंथन से नई दिशा व नई तस्वीर उभरती है। विरोध करना बुरा नहीं है, लेकिन उसका स्वरूप लोकतांत्रिक होना चाहिए।

> “ बहरहाल, भागवत ने माना कि बहुत संभव है कि विरोध के दौरान मुद्दों को लेकर विचारों की भिन्नता हो, लेकिन चर्चा के बाद ही किसी विषय पर सहमति बनती है। साथ ही माना कि आंदोलन का उद्देश्य सहमति बनाना होना चाहिए, न कि समाज में विभाजन पैदा करना। उन्होंने माना कि भारत की शिक्षा व्यवस्था में बहुत कुछ बदलाव की जरूरत है, जो अभी तक नहीं हो पाया है। यही वजह है कि छात्रों का गुस्सा सामने आ रहा है, जिसे संवाद से दूर करने की जरूरत है। साथ ही, सख्ती नहीं, बातचीत के जरिये अपनापन का अहसास कराना भी जरूरी है। यह भी कि जेन-जी और जेन-अल्फा की सोच पहले की पीढ़ियों से भिन्न है।

भागवत ने इस बात पर भी बल दिया कि विरोध-आंदोलन संविधान की मर्यादा के दायरे में होना भी जरूरी है। समस्याओं पर ध्यान दिया जाना चाहिए, लेकिन उसका लक्ष्य व्यक्ति का विरोध नहीं, बल्कि व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव होना चाहिए। साथ ही, संघ प्रमुख ने आरक्षण पर भी राय स्पष्ट की कि सामाजिक भेदभाव दूर करने तक आरक्षण की जरूरत होगी। लेकिन सवाल यह है कि इस सत्य से वाकिफ होने के बावजूद सरकारें क्यों टालमटोल का रवैया अपनाती हैं? यह संवादहीनता की स्थिति क्यों पैदा की जाती है? विडंबना यह है कि सरकारें तब जागती हैं जब स्थिति नियंत्रण से बाहर हो जाती है। सरकारों को लोकतंत्र में प्रतिरोध के स्वरों का भी सम्मान करना है। लोकतंत्र का आधार जनमत है। जनमत को सुना जाना चाहिए। आमतौर पर नागरिक तब ही सड़कों पर उतरते हैं जब पानी सिर के ऊपर से गुजरने लगता है। ऐसे में, शांतिपूर्ण प्रदर्शन और असहमति के स्वरों पर ध्यान देने की जरूरत है। आज जरूरत इस बात की है कि पुलिस को बताया जाए कि राष्ट्रविरोधियों और जायज मांगों के लिए आंदोलन कर रहे लोगों को एक ही लाठी से नहीं हांका जा सकता। खासकर, जेन-जी पर शक्ति प्रयोग असंतोष को उग्र बनाना ही है। सत्ताधीशों को इस बात का भान होना चाहिए कि असहमति और शांतिपूर्ण अभिव्यक्ति से लोकतंत्र जीवंत होता है। सत्ता की उदासीनता और उपेक्षापूर्ण रवैये से आंदोलन की जमीन तैयार होती है। कालांतर में हठधर्मिता से यह आक्रोश को ही बढ़ाता है। सत्ताधीशों को समझना चाहिए कि लोकतंत्र में लोग अपनी बात सुनाने के लिए आंदोलन को विकल्प के तौर पर अपनाते हैं। ऐसे ही नीट प्रश्नपत्र मुद्दे पर समय रहते वे कदम पहले ही उठा लिए जाते, तो आंदोलन को व्यापक होने से टाला जा सकता था। अक्सर संवादहीनता की स्थिति में आंदोलन में राजनीतिक दल रोटियां सेंकने लगते हैं। निहित स्वार्थी तत्व इसमें अवसर तलाशने लगते हैं, जिससे आंदोलन की दिशा नियंत्रित नहीं रह सकती है। यही वजह है कि एक सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा कि युवाओं के गुस्से को शांत करने के लिए बातचीत जरूरी विकल्प है। निश्चित ही, पुलिस को भी संवेदनशील बनाने की जरूरत है। आशा है, भागवत की सलाह पर सरकारें ध्यान देंगी।

केवल तिवारी

मुद्दों को तलाशने-तराशने की कवायद

मुद्दा उत्तराखंड आंदोलन के दौरान हुआ रामपुर तिराहा कांड है। सपा अब सियासी बिसात बिछा रही है, और इस पुरानी चिढ़ का तोड़ यह सवाल है कि स्व. मुलायम सिंह यादव को तो केंद्र की भाजपा सरकार देश का दूसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान 'पद्म विभूषण' दे चुकी है। इस पर सपा की सफाई को 'लेकिन' मुद्दे के रूप में आगे बढ़ाया कैसे जाए? यह अलग बात है कि सपा ने उन्हें भारत रत्न देने की मांग की है। मायावती की बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का कुछ जनाधार मैदानी उत्तराखंड जैसे उधम सिंह नगर आदि में है, और उसके सामने 'लेकिन' चंद्रशेखर आजाद की पार्टी 'आज़ाद समाज पार्टी (कांशीराम)' खड़ी है। गौर करने की बात है कि चंद्रशेखर 'भीम आर्मी' संगठन के भी प्रमुख हैं और इस संगठन की भी कुछ इलाकों में अच्छी पहुंच है। इन दलों के अलावा उत्तराखंड क्रांति दल, उत्तराखंड स्वाभिमान मोर्चा और वामपंथी दल भी फिलहाल सक्रिय दिख रहे हैं, लेकिन क्या चुनाव में ये दल एक होंगे या अलग-अलग लड़ेंगे?

इन सबके बीच मुख्य लड़ाई तो सत्ताधारी भाजपा एवं मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस में ही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने हाल ही में नई टीम का गठन किया है और बूथ स्तर के पदाधिकारियों की भी नियुक्तियां की गई हैं। ऊपर से सब सामान्य दिख रहे इस मामले में अंदरखाने कई 'लेकिन' हैं। कहने को तो अनेक प्रभारियों को नियुक्त किया गया है, जो संगठन और सरकार के बीच समन्वय करेंगे, परंतु नाराज लोगों का 'लेकिन' क्या होगा? वैसे, नई नियुक्तियों के बाद भाजपा ने यह संदेश देने की कोशिश की है कि पार्टी चुनावी मोड़ में आ चुकी है।

सत्ता पक्ष के खिलाफविपक्ष के पास बद्रीनाथ दान हेराफेरी मामले के अलावा अंकिता भंडारी हत्याकांड, कानून-व्यवस्था और पेपर लीक जैसे मुद्दे भी हैं। वहीं, सत्ता पक्ष यूसीसी (समान नागरिक संहिता), पेपर लीक के खिलाफ कठोर कानून और सड़कों के विस्तार जैसे मुद्दों को लेकर चल रही है। वह अपने स्टार प्रचारकों में पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी अनेक बार लाने की कोशिश में जुटी है, लेकिन योगी क्या अपने राज्य के चुनावी रथ पर उसी वक्त सवार नहीं होंगे?

इस बीच कांग्रेस ने भी कई वरिष्ठ नेताओं को चुनावी तैयारी की जिम्मेदारी सौंप दी है। हरियाणा कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और सांसद कुमारी सैलजा को उत्तराखंड का प्रभार दिया गया है। उनकी देखरेख में हाल ही में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने विद्यार्थियों से संवाद किया। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व सीएम हरीश रावत, पूर्व सांसद प्रदीप टमटा समेत अनेक दिग्गजों को विभिन्न समितियों में लगाया गया है। इनमें से कई लोगों ने हाल ही में बनी सड़कों की 'दुर्दशा' को मुद्दा बनाना शुरू किया है, लेकिन इस मुद्दे से आमजन को जोड़ा कैसे जाए, यह एक बड़ा सवाल है।

उत्तराखंड की जमीनी राजनीति में देहरादून, हरिद्वार, पौड़ी गढ़वाल और उधम सिंह नगर बेहद अहम हैं। इन खास जिलों में से सिर्फ उधम सिंह नगर कुमाऊं मंडल का है, जबकि बाकी हिस्से गढ़वाल मंडल में आते हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कुमाऊं मंडल से आते हैं। बेशक वह अपनी गृह जनपद की खटीमा सीट से हार गए थे, लेकिन भाजपा हाईकमान ने उन पर भरोसा जताया और मुख्यमंत्री बनाया; बाद में वह चंपावत से जीते।

इसे पार्टी में भितरघात के खिलाफ 'एक्शन' के तौर पर देखा गया। सियासी गलियारों में इस बात की चर्चा जोरों पर है कि अब क्या चुनाव से पहले कोई नया मुख्यमंत्री चेहरा सामने आएगा या फिर भाजपा इन्हीं पर भरोसा जताएगी? अगर धामी पर ही भरोसा जताया गया, तो 'लेकिन' असंतुष्टों को कैसे साधा जाएगा? उधर, कांग्रेस किस चेहरे को सामने लाएगी, यह भी सियासी गलियारे में चर्चा का मुख्य विषय है। लेकिन इन सब पर भी बड़ा सवाल यही है कि क्या चुनाव मुद्दों पर लड़ा जाएगा या चुनाव आते-आते कुछ और ही 'खेल' होगा? उत्तराखंड की सियासत में फिलहाल तो 'लेकिन' बहुत हैं।

क्षमा शर्मा

रिश्ते रिश्तों पर अब जासूसों की नज़र

इस तरह की जांच-परख के बाद सालों से चलते आए रिश्ते टूट जाते हैं, जो दुख का कारण भी बनते हैं। लेकिन घर-परिवार वालों का मानना है कि ऐसे किसी संबंध में बंधने का क्या फायदा, जिसमें शुरू से ही धोखा दिया जा रहा हो? जीवन भर दु:ख उठाने से बेहतर है कि कुछ दिनों का दुख उठा लिया जाए।

हाल ही में एक खबर आई कि एक इंजीनियर ने अमेरिकन क्राइम थ्रिलर देखकर अपनी पत्नी को मार डाला। एक स्त्री ने अपने पुरुष मित्र से अपने ही बच्चे को मरवा दिया। दूसरी घटना में, पुरुष मित्र से फोन पर बातें करने पर जब छोटा बच्चा विघ्न डाल रहा था, तो मां ने उसका गला घोंट दिया। एक लड़के ने अपनी पुरानी महिला मित्र से छुटकारा पाने के लिए उसे बाइक से रौंद दिया, तो दूसरे ने कार से कुचल डाला।

एक अन्य खबर में, जब नई बहू के बारे में पता चला कि वह किसी अन्य के साथ रिश्ते में थी, तो ससुराल वाले डर गए। उन्हें अपने बेटे के जीवन की चिंता सताने लगी। आपसी सहमति से उन्होंने बहू को उसके पुरुष मित्र के पास भेज दिया। ऐसी कितनी ही घटनाएं हैं, जहाँ स्त्रियां अपने पांच-छह, यहाँ तक कि नौ बच्चों को छोड़कर अपने पुरुष मित्र के साथ चली गईं। जब उनसे पूछा गया, तो कईयों ने कहा कि वे एक भी बच्चे को साथ नहीं ले जाएंगी। एक ने तो यह भी कहा कि बच्चे पति के हैं, वही इन्हें रखें। बच्चे रो-रोकर पुकारते रहे, पर उनकी किसी ने नहीं सुनी। इन मामलों को देखकर लगता है कि ये बच्चे दुनिया में अपनी मर्जी से तो नहीं आए थे, लेकिन उन्हें भटकने के लिए छोड़ दिया गया। वे आखिर किसके भरोसे रहेंगे? कहाँ-कहाँ भटकेंगे? कौन उनकी मदद करेगा? माता-पिता के होते हुए भी वे अनाथ हो गए।

लेकिन इससे भी ज्यादा दुख इस बात का है कि पति पत्नी को और पत्नी पति को मार रही है। मारने के लिए कहीं नीले ड्रम का इस्तेमाल किया जा रहा है, तो कहीं पहाड़ से धक्का दिया जा रहा है। कहीं सांप से कटवाया जा रहा है, तो कहीं दीवार में चिनवाया जा रहा है या खेत में गाड़ा जा रहा है। आखिर लोग ऐसा क्यों कर रहे हैं? इसके बहुत से कारण गिनाए जा सकते हैं; जैसे— रोज़ का लड़ाई-झगड़ा, एक-दूसरे को नियंत्रित (कंट्रोल) करने की इच्छा, घरेलू हिंसा, आर्थिक और जमीन-जायदाद के झगड़े, पारिवारिक दबाव, शराब का सेवन, मानसिक स्वास्थ्य के मसले, एक-दूसरे पर शक करना और विवाहेतर संबंध आदि। अनेक मामलों में आरोपी पकड़े भी जा रहे हैं। जब उनसे पूछा जाता है कि क्या उन्हें अपने किए पर दुख या पश्चाताप है, तो कई कहते हैं कि उन्हें कोई दुख नहीं है।

ऐसी घटनाओं के कितने भी कारण गिनाए जाएं, पर बहुत बार मामूली बातों पर रिश्तों में ऐसी दरारें पड़ रही हैं कि एक-दूसरे की जान लेने से पहले यह भी नहीं सोचा जा रहा है कि ऐसा करके आखिर वे बचेंगे कैसे और यदि पकड़े गए तो क्या होगा। हालांकि, वे पकड़े भी जा रहे हैं और एक के किए की सजा दोनों तरफ के परिवारों को भुगतनी पड़ रही है।

बहुत साल पहले मशहूर अभिनेता स्वर्गीय श्रीराम लागू ने कहा था कि विवाह संस्था सड़-गल चुकी है, अब इसे खत्म हो जाना चाहिए। इतने साल पहले कही गई श्रीराम लागू की बात क्या सच साबित हो गई है? क्या शादी-विवाह अब गए जमाने की बात हो गए हैं? लोग कह सकते हैं कि कुछेक घटनाओं के कारण पूरी विवाह संस्था को खारिज नहीं किया जा सकता। यह भी दिलचस्प है कि एक तरफ अपने देश में विवाह का कारोबार अरबों रुपयों का है, तो दूसरी तरफ विवाह और रिश्तों की मर्यादाएं तार-तार हो रही हैं।

हाल ही में एक और खबर पढ़ी कि अब विवाह से पूर्व परिवार के लोग लड़के-लड़कियों का बैकग्राउंड चेक करा रहे हैं। इसके लिए प्राइवेट जासूसों की मदद ली जा रही है। आज से कुछ दशक पहले रिश्ते के लिए किसी नाई या पंडित की मदद ली जाती थी। कोई अड़ोसी-पड़ोसी या नाते-रिश्तेदार रिश्ता तय करा देते थे, जिन्हें बिचौलिया कहा जाता था। फिर ऐसा वक्त आया कि विवाह के लिए अखबारों में विज्ञापन छपने लगे और फिर ऑनलाइन बाजार बन गया, जहाँ धोखाधड़ी की आशंका हमेशा बनी रहती थी। युवक-युवतियां अपनी पसंद से भी विवाह करने लगे, लेकिन पिछले कुछ समय से यह बात बहुत सामने आने लगी है कि रिश्ता न चल पाने पर या जीवन में किसी और के आने पर लोग एक-दूसरे की जान लेने लगे हैं।

ऐसे में परिवार वालों को लगता है कि जिस युवक या युवती से विवाह तय हो रहा है, पहले उसके बारे में पूरी छानबीन कर ली जाए। यह छानबीन सिर्फ अरेंज्ड मैरिज में ही नहीं, बल्कि प्रेम विवाहों में भी की जा रही है। पहले सोनम और राजा रघुवंशी तथा हाल ही के दिनों में सिया-केतन के मामलों ने इन जांचों को और गति दी है।

एक मामले में लड़की का एक लड़के से कई सालों से रिश्ता था। दोनों एक-दूसरे से विवाह करना चाहते थे और परिवार वालों को भी कोई आपत्ति नहीं थी, लेकिन लड़की के परिवार वालों को लगा कि विवाह की बात पक्की होने से पहले लड़के का बैकग्राउंड चेक करा लेना चाहिए। इसके लिए प्राइवेट जासूस की सेवाएं ली गईं। जो बातें सामने आईं, वे बेहद चौंकाने वाली थीं। पता चला कि लड़का पहले से शादीशुदा था और उसकी पत्नी ने उसके बुरे व्यवहार के कारण आत्महत्या कर ली थी। यह जानकर लड़की वालों ने फौरन रिश्ता तोड़ दिया।

बहुत पहले रजनी पंडित नामक प्राइवेट जासूस का एक इंटरव्यू पढ़ रही थी। उसमें उन्होंने बताया था कि कई बार सही बात का पता लगाने के लिए तरह-तरह के रूप धरने पड़ते हैं। एक बार वह एक घर में घरेलू सहायिका के रूप में भी रही थीं।

जासूसी संस्थाओं में से एक के मालिक का कहना है कि आज से तीन दशक पहले ऐसे केस महीने में छह-सात ही होते थे, लेकिन अब हर महीने दो सौ से अधिक केस आते हैं। हर दिन पचास-साठ फोन इसी संबंध में आते हैं। इसी कारण यह बाजार तेजी से बढ़ रहा है। विवाह से पहले बैकग्राउंड चेक का अनुरोध सत्तर से अस्सी प्रतिशत तक माता-पिता की ओर से किया जाता है, जबकि बीस से पच्चीस प्रतिशत युवा इस तरह की जांच करवाते हैं। लड़कियों के मामले में उनका चरित्र और पहले के संबंधों आदि के बारे में पता करने के लिए कहा जाता है, वहीं लड़कियां लड़कों की नौकरी, आमदनी और आदतों आदि के बारे में जानकारियां चाहती हैं। ऐसी जानकारियां प्राप्त करने के लिए एक से डेढ़ लाख रुपए तक की फीस चुकानी पड़ती है और जांच में पंद्रह से बीस दिन का समय लगता है।

पहले समझा जाता था कि इस तरह की जासूसी सिर्फ महानगरों में ही की जाती है, लेकिन अब यह छोटे शहरों में भी होने लगी है। कई लोग कहते हैं कि वे ऐसा इसलिए कर रहे हैं ताकि यह पुख्ता किया जा सके कि जो बातें बताई गई हैं या किसी के प्रोफाइल में लिखी हैं, वे सच हैं भी या नहीं। यही जासूसों की असली परीक्षा भी होती है। इस तरह की जांच-परख के बाद सालों से चलते आए रिश्ते टूट जाते हैं, जो दुख का कारण भी बनते हैं। लेकिन घर-परिवार वालों का मानना है कि ऐसे किसी संबंध में बंधने का क्या फायदा, जिसमें शुरू से ही धोखा दिया जा रहा हो? जीवन भर दु:ख उठाने से बेहतर है कि कुछ दिनों का दुख उठा लिया जाए।

ये सारी बातें जानकर और पढ़कर अफसोस भी होता है और यह राहत भी मिलती है कि कोई बड़ा धोखा खाने से पहले बचा लिया गया भले ही इसके लिए प्राइवेट जासूसों की मदद ही क्यों न लेनी पड़ी हो।

लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

हसीना के तेवरों के बाद बांग्लादेश से रिश्तों में तल्खी

पुष्परंजन

बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ढाका ने भारत सरकार को पहले ही अपनी चिंताएं बता दी थीं। इस तरह का कार्यक्रम दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंधों को सुधारने की कोशिशों को कमज़ोर कर सकता है। मंत्रालय ने खेद जताया कि जुलाई क्रांति की दूसरी बरसी पर शेख हसीना का मीडिया संवाद बांग्लादेश की संप्रभुता की अवमानना है।

कुछ दिन पहले तक भारत से रिश्ते नॉर्मल करने की दिशा में कूटनीतिक प्रयास हो रहे थे, लेकिन एक बार फिर उस पर पानी फिरता नज़र आ रहा है। बांग्लादेश ने बुधवार को भारत द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को नई दिल्ली में मीडिया के साथ लाइव बातचीत करने की अनुमति देने पर नाराज़गी जताई है। बांग्लादेश का कहना है कि इस कदम से हमारे लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं और यह दोनों देशों के बीच अच्छे संबंध बनाने की कोशिशों के लिए नुकसानदेह है।

बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ढाका ने भारत सरकार को पहले ही अपनी चिंताएं बता दी थीं। इस तरह का कार्यक्रम दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंधों को सुधारने की कोशिशों को कमज़ोर कर सकता है। मंत्रालय ने खेद जताया कि जुलाई क्रांति की दूसरी बरसी पर शेख हसीना का मीडिया संवाद बांग्लादेश की संप्रभुता की अवमानना है और जुलाई 2024 के आंदोलन के दौरान मारे गए लोगों का अपमान भी है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि 2013 में हुई बांग्लादेश-भारत प्रत्यर्पण संधि के तहत हसीना की वापसी के लिए बांग्लादेश के बार-बार किए गए अनुरोधों का अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है।

भारत ने बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के उस वर्चुअल भाषण के आयोजन में किसी भी भूमिका से इनकार किया है, जो उन्हें सत्ता से हटाने वाले विद्रोह की दूसरी बरसी के मौके पर हुआ था। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'सरकार की इसमें कोई भूमिका नहीं है और वह इस मंच पर व्यक्त किए जाने वाले किसी भी विचार का समर्थन नहीं करती है।'

78 वर्षीय हसीना बुधवार को नई दिल्ली में फॉरेन कॉरेस्पोंडेंट्स क्लब ऑफ़ साउथ एशिया द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में अपने बेटे साजीब वाज़ेद जॉय और अन्य वक्ताओं के साथ पहली बार सार्वजनिक रूप से (वीडियो लिंक के ज़रिए) दिखाई दी थीं। ढाका से भागने के बाद यह उनका पहला सार्वजनिक कार्यक्रम था। लेकिन उस वीडियो को बांग्लादेश में कोई न देखे, इसकी तैयारी ढाका ने पहले से कर रखी थी।

दोनों देशों के बीच नए सिरे से जो तल्खी हुई है, उसमें शक है कि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान नई दिल्ली आएंगे। भारत ने 12 और 13 सितंबर, 2026 को नई दिल्ली में होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के आउटरीच सत्र में शामिल होने के लिए बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को आमंत्रित किया है। शेख हसीना के बयान के बाद ढाका इस पर पुनर्विचार करने लगा है। यों, भारत ने यह आमंत्रण बांग्लादेश को ब्रिक्स सदस्य के रूप में नहीं, बल्कि क्षेत्रीय संगठन बिम्सटेक के वर्तमान अध्यक्ष के रूप में दिया है।

शेख हसीना ने यह बयान इस वक्त क्यों दिया है? उसकी टाइमिंग पर ध्यान दिया जाना चाहिए। क्या वो नहीं चाहतीं कि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान और पीएम मोदी के रिश्ते बेहतर हों? दिनेश त्रिवेदी को ढाका में उच्चायुक्त बनाकर भेजने का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक नौकरशाही से हटकर एक कद्दावर राजनेता के ज़रिए रणनीतिक संवाद स्थापित करना था। 18 महीने के अंतराल के बाद कोलकाता-ढाका के बीच और ढाका-अगरतला के बीच बस सेवाएं चल रही हैं। जब मध्य पूर्व में युद्ध छिड़ा और वैश्विक ईंधन आपूर्ति प्रभावित हुई, तो दिल्ली ने सीमा-पार फ्रेंडशिप पाइपलाइन के ज़रिए बांग्लादेश को हज़ारों टन आपातकालीन ईंधन भेजा। लेकिन, दिनेश त्रिवेदी सांप-सीढ़ी वाले खेल में फंस गए लगते हैं। फरवरी, 2026 के आम चुनाव के बाद जिस तरह बीएनपी सत्ता में आई, लोग व्यापक बदलाव की उम्मीद कर रहे थे। लेकिन, अब वो निराशा में बदलने लगी है। नेशनल सिटिज़न पार्टी (एनसीपी) के संयोजक नाहिद इस्लाम ने कहा, 'आम लोगों को अपनी रोज़मर्रा की ज़िंदगी में कोई राहत नहीं मिली है।' गुरुवार को 11 पार्टियों के गठबंधन ने ढाका में धरना दिया, जिसमें गैस, बिजली और आवश्यक वस्तुओं के मौजूदा संकट का विरोध किया गया और 10 सूत्रीय मांगों का चार्टर पेश किया गया।

गठबंधन ने सितंबर से नवंबर तक विरोध कार्यक्रमों की घोषणा की है। मुक्तांगन में रैली के बाद जमात-ए-इस्लामी के अमीर शफीकुर रहमान, नेशनल सिटिज़न पार्टी के संयोजक नाहिद इस्लाम, लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के अध्यक्ष कर्नल (रिटायर्ड) ओली अहमद और गठबंधन के अन्य नेताओं ने सचिवालय की ओर मार्च किया। उन्होंने घरेलू गैस की कीमतें कम करने, बिना रुकावट पाइपलाइन गैस आपूर्ति और हर घर तक बिजली पहुंचाने की मांग की। संभवत: शेख हसीना इसी का इंतज़ार कर रही थीं, जब देश में क्रांति करने वाले चेहरे अपने किए पर अफसोस प्रकट करें। अब जब शेख हसीना खुद बांग्लादेश जाना चाहती हैं, क्या नया निज़ाम उन्हें आने से रोकेगा?

मगर, ढाका-दिल्ली के बीच बनते-बिगड़ते संबंधों की एकमात्र वजह शेख हसीना नहीं हैं। चीन ने भी अपना खेल जारी रखा है। याद कीजिए, जब बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस 26 से 29 मार्च, 2025 तक चीन के दौरे पर थे, तब आठ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। चीन लगातार 15 सालों से बांग्लादेश का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा है। बांग्लादेश में लगभग 1,000 चीनी कंपनियां काम कर रही हैं, जिन्होंने देश में 5,50,000 से ज़्यादा नौकरियां पैदा की हैं। फ़रवरी 2025 में, बांग्लादेश की आठ राजनीतिक पार्टियों के 22 सदस्यों का एक प्रतिनिधिमंडल 13 दिन की चीन यात्रा पर गया था। प्रधानमंत्री तारिक़ रहमान ने 24 से 26 जून, 2026 के बीच चीन की आधिकारिक यात्रा की। चीन ने तब 30 अरब डॉलर के अनुदान का अहद किया। पद संभालने के बाद यह उनका पहला अंतरराष्ट्रीय दौरा था। चीन ने 1975 से अब तक बांग्लादेश को कुल 7.5 अरब डॉलर का लोन दिया है।

क़रीबी रिश्तों के बावजूद, व्यापार असंतुलन और लोन पर ब्याज का भुगतान बांग्लादेश के लिए बड़ी समस्याएं बनी हुई हैं। लेकिन, चीन का असल खेल तीस्ता में हुई इंट्री है। 9 जनवरी, 2025 को बांग्लादेश जल विकास बोर्ड (बीडब्ल्यूडीबी) और चीन की सरकारी कंपनी पावर चाइना ने 98 करोड़ डॉलर की तीस्ता व्यापक प्रबंधन और पुनर्स्थापन परियोजना पर हस्ताक्षर किए। पर्यावरण सलाहकार सैयदा रिजवाना हसन के अनुसार, 'समझौते के तहत, पावर चाइना एक व्यवहार्यता अध्ययन करेगी। इसके बाद, तीस्ता परियोजना को अंतिम रूप दिया जाएगा।' मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान तीस्ता जल बंटवारे समझौते पर 2011 में हस्ताक्षर होने थे। लेकिन, पश्चिम बंगाल की तत्कालीन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विरोध के कारण, तीस्ता समझौता विफल हो गया। तीस्ता जल प्रबंधन की ज़िम्मेदारी जिस तरह चीन ने ली है, उसके रणनीतिक परिणामों के प्रति नई दिल्ली को गंभीर हो जाना चाहिए।

लेखक जियो-पॉलिटिकल मामलों के पत्रकार हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

सूर्य घर योजना ने बिजली बिल की चिंता से किया मुक्त

दुर्ग। प्रगति नगर, रिसाली निवासी एस. सत्यम ने अपने घर पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल स्थापित कराया है। सोलर पैनल लगने के बाद सत्यम को हर महीने आने वाले बिजली बिल की चिंता से काफी हद तक राहत मिली है। अब उनके घर की बिजली जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा सौर ऊर्जा से पूरा हो रहा है। श्री सत्यम का अनुभव इस बात का उदाहरण है कि सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर आम नागरिक अपने घर की ऊर्जा जरूरतों को अधिक किफायती और टिकाऊ बना सकते हैं।

जिले में अब तक 504.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

दुर्ग। जिले में 1 जून 2026 से 07 अगस्त 2026 तक 504.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 630.3 मिमी तहसील पाटन में तथा न्यूनतम 356.5 मिमी. तहसील धमधा में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील दुर्ग में 565.9 मिमी, तहसील बोरी में 561.1 मिमी, तहसील भिलाई-3 में 517.1 मिमी और तहसील अहिवारा में 396.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 07 अगस्त 2026 को तहसील दुर्ग में 1.9 मिमी, तहसील धमधा में 3.3 मिमी, तहसील पाटन में 9.6 मिमी, तहसील बोरी में 0.0 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 0.0 मिमी और तहसील अहिवारा में 0.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

भिलाई में सोल्लास मना 'जैवलिन डे', एथलेटिक्स क्लब की प्रतियोगिता में 200 खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) के निर्देशानुसार ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा की ऐतिहासिक उपलब्धि के उपलक्ष्य में 07 अगस्त 2026 को देशभर में 'जैवलिन डे' मनाया गया। भिलाई इस्पात संयंत्र एथलेटिक्स क्लब द्वारा भिलाई विद्यालय, सेक्टर-2 मैदान में जैवलिन थ्रो प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया।

भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग तथा सेल एथलेटिक्स अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता का आयोजन अंडर-14 बालक, अंडर-14 बालिका, पुरुष ओपन तथा महिला ओपन वर्गों में किया गया। प्रत्येक वर्ग में प्रथम से दसवें स्थान तक के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।

प्रतियोगिता में भिलाई एवं आसपास के क्षेत्रों से आए खिलाड़ियों के साथ-साथ एचबीएस अकादमी, भिलाई, पीजी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, भिलाई, भिलाई इस्पात संयंत्र एथलेटिक्स क्लब तथा अन्य संस्थानों के लगभग 200 खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

अंडर-14 बालक वर्ग में आर्यन साहू ने प्रथम, देश गुप्ता ने द्वितीय तथा प्रिंस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंडर-14 बालिका वर्ग में वंदना प्रथम, तृषा साहू द्वितीय तथा आरती निषाद तृतीय स्थान पर रहीं। पुरुष ओपन वर्ग में किशन कुमार प्रथम, गौतम द्वितीय तथा साहिल मंडावी तृतीय स्थान पर रहे।

ऑपरेशन सिपाही रक्षा सूत्र - 2026

बीएसपी विद्यालयों की छात्र-छात्राओं ने वीर जवानों के लिए भेजी 2500 राखियां

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। देश की सीमाओं पर तैनात वीर सैनिकों के प्रति सम्मान, कृतज्ञता एवं राष्ट्रभक्ति की भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पूर्व सैनिक महासभा एवं सिपाही संगठन द्वारा संचालित राष्ट्रव्यापी अभियान 'ऑपरेशन सिपाही रक्षा सूत्र 0.4, 2026' के अंतर्गत भिलाई इस्पात संयंत्र के विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने लगभग 2500 रक्षा सूत्र (राखियाँ) तैयार कर देश के वीर जवानों को समर्पित किए।

विद्यार्थियों द्वारा अत्यंत श्रद्धा एवं स्नेह से निर्मित इन रक्षा सूत्रों के साथ तिलक हेतु चुटकी भर पवित्र मिट्टी तथा सैनिकों के नाम सम्मान एवं शुभकामनाओं से परिपूर्ण संदेश-पत्र भी तैयार किए गए।

इन सभी सामग्रियों को देश की सीमाओं पर तैनात सैनिकों तक पहुँचाने के उद्देश्य से 05 अगस्त 2026 को अपराह्न 3:00 बजे स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ, भिलाई के तत्वावधान में घड़ी चौक, सुपेला में आयोजित कार्यक्रम के दौरान संग्रहण समूह को ससम्मान सौंपा गया।

उल्लेखनीय है कि स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ, भिलाई विगत चार वर्षों से निरंतर इस अभियान के माध्यम से रक्षा सूत्र देश की सीमाओं पर तैनात सैनिकों तक प्रेषित कर रहा है। यह पहल विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सैनिकों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने की दिशा में एक प्रेरणादायी प्रयास है।

कार्यक्रम का आयोजन जिला मुख्य आयुक्त, स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ, भिलाई एवं महाप्रबंधक (शिक्षा-टीएसडी) श्रीमती शिखा दुबे के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इस अवसर पर स्काउट्स एवं गाइड्स के पदाधिकारी, विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य एवं शिक्षकगण सहित बड़ी संख्या में स्काउट्स, गाइड्स एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

14 अगस्त को मनाया जाएगा भारत विभाजन विभीषिक का स्मरण दिवस

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। भारत सरकार के निर्णय के अनुसार 14 अगस्त 2026 को देशभर में भारत विभाजन विभीषिका स्मरण दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर विभाजन की दुखद वास्तविकताओं से युवा पीढ़ी को अवगत कराने तथा विभाजन से प्रभावित लाखों लोगों के साहस, संघर्ष एवं बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित करने के उद्देश्य से विभिन्न स्मृति एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कार्यक्रम के दौरान विशिष्ट अतिथियों द्वारा विशेष रूप से तैयार प्रदर्शनी का अवलोकन किया जाएगा। विभाजन से प्रभावित दिवंगत जनों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखा जाएगा। साथ ही मतुआ समुदाय के इतिहास, सांस्कृतिक विरासत एवं योगदान पर आधारित लघु वृत्तचित्र का प्रदर्शन एवं विमोचन किया जाएगा।

नागरिकों को 1 अगस्त से 15 सितंबर तक आयोजित राष्ट्रीय ऑनलाइन क्विज 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। विभाजन से प्रभावित लोगों की पीड़ा एवं संघर्ष को प्रदर्शित करने के लिए तैयार विशेष प्रदर्शनी एवं डॉक्यूमेंट्री फिल्मों को डिजिटल माध्यम से सार्वजनिक स्थलों, शैक्षणिक संस्थानों, संग्रहालयों एवं अन्य प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित किया जा सकता है।

सीबीएसई फॉर ईस्ट जोन स्केटिंग

क्लब इन्फिनिटी ने जीते 10 स्वर्ण सहित 14 पदक

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। अगस्त माह में आयोजित सीबीएसई फार ईस्ट जोन स्केटिंग चैंपियनशिप में भिलाई के क्लब इन्फिनिटी के खिलाड़ियों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए 10 स्वर्ण पदकों सहित कुल 14 पदक अपने नाम कर लिया।

इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, असम सहित कुल 11 राज्यों के सीबीएसई स्कूलों के खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं। कड़ी प्रतिस्पर्धी के बीच भिलाई के स्केटर्स ने अपना दबदबा बनाए रखा और विभिन्न वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए दर्शकों एवं खेल विशेषज्ञों का ध्यान आकर्षित किया।

इन खिलाड़ियों की सफलता के पीछे कोच अजीत बरार का कुशल मार्गदर्शन, नियमित प्रशिक्षण और खिलाड़ियों की अथक मेहनत रही।

क्वाड श्रेणी अंडर-9 वर्ग : सुमनजीत मजूमदार - 1 स्वर्ण एवं 1 रजत, क्रिदय प्रतिष जगताप - 2 स्वर्ण पदक

क्वाड श्रेणी अंडर-11 वर्ग : अगस्त्य खुटेल - 2 स्वर्ण पदक, शेकाईना शिफा राव - 1 कांस्य

क्वाड श्रेणी अंडर-14 वर्ग : खुशी चनपुरिया - 1 स्वर्ण एवं 1 रजत पदक, देवांश विश्वकर्मा - 2 स्वर्ण पदक

क्वाड श्रेणी अंडर-17 वर्ग : आकाश - 1 कांस्य पदक

क्वाड श्रेणी अंडर-19 वर्ग : समृद्धि शर्मा - 2 स्वर्ण पदक

क्लब इन्फिनिटी के खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में 10 स्वर्ण, 2 रजत एवं 2 कांस्य पदक हासिल कर भिलाई को गौरवान्वित किया। यह उपलब्धि खिलाड़ियों की प्रतिभा, समर्पण और कठिन परिश्रम का प्रमाण है।

इस शानदार प्रदर्शन के साथ ही सभी पदक विजेता खिलाड़ियों ने सितंबर-अक्टूबर में बेलगावी (कर्नाटक) में आयोजित होने वाले सीबीएसई नेशनल गेम्स के लिए भी अपनी जगह पक्की कर ली है। अब इन खिलाड़ियों से राष्ट्रीय स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है।

पीएम आवास, निर्माणाधीन सड़क का किया निरीक्षण

भिलाई। नगर पालिक निगम आयुक्त सुरूचि सिंह ने शुक्रवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण कर प्रधानमंत्री आवास योजना, निर्माणाधीन सीमेंटीकरण सड़क, पार्किंग, नाली, पेयजल एवं सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने स्थानीय नागरिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आयुक्त ने सूर्य विहार प्रधानमंत्री आवास परिसर, शीतला वार्ड साकेत नगर, कोहका में निर्माणाधीन सीमेंटीकरण सड़क का अवलोकन कर कार्य की गुणवत्ता एवं प्रगति की समीक्षा की। आयुक्त ने पार्षद प्रतिनिधि सुमन सिन्हा एवं कॉलोनी के स्थानीय निवासियों से चर्चा कर जलभराव, सड़क, नाली, पेयजल एवं सफाई संबंधी समस्याओं की जानकारी ली।

सुपेला से मौर्या टॉकीज तक अवैध पार्किंग और गुमटियों को हटाया गया

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के जोन-1 क्षेत्र अंतर्गत सुपेला चौक से चंद्रा मौर्या टॉकीज चौक तक अवैध पार्किंग और बेजा कब्जा जमाए गुमटियों के खिलाफ राजस्व विभाग एवं यातायात विभाग की संयुक्त टीम द्वारा सख्त कार्रवाई की गई।

मुख्य मार्ग पर सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने और आम नागरिकों को होने वाली असुविधा से निजात दिलाने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया गया।

सड़क किनारे अवैध रूप से लगाई गई गुमटियों, ठेलों और अस्थाई अतिक्रमणों को हटाया गया तथा चेतावनी के बाद भी न हटने वाले सामानों की जब्ती की गई। यातायात बाधित कर रहे नो-पार्किंग क्षेत्र में खड़े वाहनों पर यातायात पुलिस द्वारा चालानी कार्रवाई की गई।

इस पूरी कार्रवाई के दौरान जोन-1 सहायक राजस्व अधिकारी शशांक शेखर, उड़नदस्ता प्रभारी विनय शर्मा, उड़नदस्ता सहायक हरिओम गुप्ता यातायात पुलिस बल और निगम की बेदखली टीम मुस्तैद रही। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे मुख्य मार्ग और फुटपाथ का अतिक्रमण न करें।

10 अगस्त को राष्ट्रीय पीएम शिक्षुता मेला, 122 पदों पर होगी भर्ती

दुर्ग। आदर्श आईटीआई भिलाई में 10 अगस्त को प्रातः 09:30 बजे से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस मेले में भिलाई इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड, इकोसिस्टम मटेरियल्स प्राइवेट लिमिटेड, सिम्प्लेक्स कास्टिंग्स लिमिटेड, वैष्णवास एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड और भिलाई वोस्लो बीके कास्टिंग्स लिमिटेड जैसी प्रमुख औद्योगिक कंपनियां शामिल हो रही हैं। कुल 122 पदों पर चयन किया जाएगा। फिटर के 28 पद, वेल्डर के 21 पद, मकेनिस्ट एवं कम्प्यूटर न्यूमेरिकली कन्ट्रोल मशीनिस्ट (सीएनसी) के 12 पद, इलेक्ट्रिशियन के 11 पद, मोल्डर के 10 पद, कम्प्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट के 8 पद, टर्नर के 8 पद, फाउंड्रीमेन के 4 पद, तकनीशियन के 3 पद शामिल हैं।

गुणवत्तायुक्त खाद, बीज और दवा की पर्याप्त उपलब्धता

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। जिले में कुल 243 उर्वरक, 476 बीज, 18 कीटनाशक के नमूने प्रयोगशाला प्रेषित किये गये है जिसमें उर्वरक के 113 नमूने, बीज के 400 नमूने व कीटनाशक के 02 नमूने मानक तथा उर्वरक के 13 एवं बीज के 15 नमूने अमानक पाये गये है। वही उर्वरक के 117 नमूनों, बीज के 61 व कीटनाशक के 16 की रिपोर्ट आना शेष है। अमानक उर्वरको/बीज के भण्डारण एवं विक्रय हेतु संबंधित संस्था में भण्डारित उर्वरकों/बीज पर विक्रय प्रतिबंध लगाया गया है।

उप संचालक कृषि संदीप भोई से मिली जानकारी अनुसार विभाग द्वारा नकली एवं घटिया खाद-बीज की बिक्री को रोकने के लिये उड़नदस्ता टीम का गठन किया गया है जो निजी विक्रेताओं और समितियों की निरंतर जांच कर रही

है, ताकि कृषकों को गुणवत्ता युक्त बीज/उर्वरक उपलब्ध कराया जा सके। अब तक जिले के 154 निजी एवं सहकारी केंद्रों का औचक निरीक्षण किया जा चुका है। जांच के दौरान स्टॉक संधारण में गड़बड़ी, उर्वरक नियंत्रण संबंधी नियमों के उल्लंघन करने जैसी अनियमितताएं पाए जाने पर 09 विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। एवं 05 विक्रय केंद्रों पर उर्वरक अनुज्ञप्ति में अतिरिक्त स्त्रोत समावेश किये बिना विक्रय करते पाये जाने एवं 02 विक्रय केन्द्रों को अधिक मूल्य पर विक्रय किये जाने पर उर्वरक जब्ती कर प्रकरण कलेक्टर न्यायालय में भेजा गया है।

13 विक्रय केंद्रों में अमानक उर्वरक का विक्रय किये जाने के कारण विक्रय प्रतिबंध कर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। 03 विक्रय केंद्रों पर एफआई आर की कार्यवाही की गई है साथ ही 03 विक्रय केंद्रों के उर्वरक अनुज्ञप्ति निलंबित की गई है।

खरीफ वर्ष 2025 में सेवा सहकारी समिति उतई (उपकेन्द्र खोपली) के 06 किसानों द्वारा धान की बालियों में दाने न भरने की शिकायत व मुआवजे की मांग के संबंध में वास्तविक स्थिति यह है कि बीज प्रक्रिया केन्द्र रुआबांधा द्वारा धान बीज का उपार्जन कर छ.ग. राज्य बीज प्रमाणीकरण संस्था के निर्धारित मापदंडों के अनुरूप गुणवत्ता परीक्षण कराया गया था, जिसमें बीज मानक स्तर का पाया गया था। इसके उपरांत ही बीज पैक्ड कर भंडारित किया गया। भंडारण उपरांत गुण नियंत्रण नियम के तहत पुनः लिए गए नमूने में कम अंकुरण पाए जाने पर इसे अमानक दर्ज किया गया, परंतु किसानों द्वारा बोनी के तुरंत बाद अंकुरण संबंधी कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई।

जैवलिन डे पर भाला फेंक प्रतियोगिता का आयोजन

दुर्ग। विश्व जैवलिन डे के उपलक्ष्य में रविशंकर स्टेडियम में जिला स्तरीय भाला फेंक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बालक एवं बालिका वर्ग के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

बालक वर्ग में प्रथम स्थानः निशांत साहू - 30.20 मीटर, द्वितीय स्थान : कुशाग्र - 29.20 मीटर तथा तृतीय स्थान : सागर - 20.70 मीटर रहे। इसी तरह बालिका वर्ग में प्रथम स्थान : धनिया - 16.50 मीटर, द्वितीय स्थान : सनी - 10.50 मीटर तथा तृतीय स्थानः सोनिया एवं सेजल (संयुक्त) - 10.40 मीटर रहे। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर विजेता खिलाड़ियों को अतिथियों द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी गईं।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
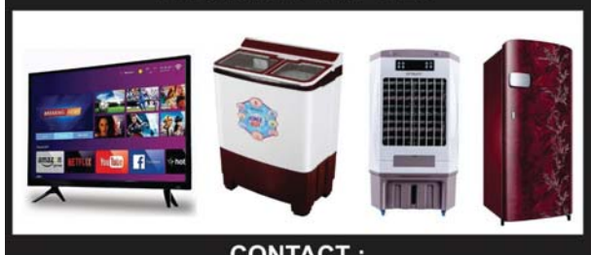
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

स्वदेशी उत्पादों तथा हथकरघा से निर्मित वस्तुओं के अधिकाधिक उपयोग करें: राजेश अग्रवाल

रायपुर। राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने प्रदेशवासियों से स्वदेशी उत्पादों को अपनाने तथा हथकरघा से निर्मित वस्तुओं के अधिकाधिक उपयोग का आह्वान किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान का उल्लेख करते हुए कहा कि स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करना केवल आर्थिक गतिविधि नहीं, बल्कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक शिल्पकला और लाखों बुनकर परिवारों के सम्मान से जुड़ा जन आंदोलन है। राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ के कुशल बुनकरों द्वारा निर्मित पारंपरिक गमछा धारण कर प्रदेश की समृद्ध हस्तकरघा परंपरा को सम्मान दिया। उन्होंने कहा कि यह गमछा केवल एक परिधान नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान, श्रम, परंपरा और स्थानीय शिल्प कौशल का जीवंत प्रतीक है। श्री अग्रवाल ने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि वे अपने दैनिक जीवन में अधिक से अधिक स्वदेशी और हथकरघा उत्पादों को अपनाएं।

सेवा सेतु पोर्टल: पारदर्शी, तेज और आसान हुई सरकारी सेवाओं की व्यवस्था

रायपुर। डिजिटल सुशासन की दिशा में राज्य शासन ने एक ऐतिहासिक पहल करते हुए पुराने लोक सेवा केंद्रों को आधुनिक सेवा सेतु केंद्र के रूप में विकसित किया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में शुरू किए गए सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से अब प्रदेश के नागरिकों को घर बैठे 441 से अधिक शासकीय सेवाओं का लाभ मिल रहा है। यह पोर्टल शासन और जनता के बीच एक मजबूत डिजिटल सेतु के रूप में कार्य कर रहा है, जिससे सेवाएं पहले की तुलना में अधिक सरल, पारदर्शी और तेज हो गई हैं। सुकमा जिला ई-गवर्नेंस विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पहले ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल पर केवल 86 सेवाएं उपलब्ध थीं।नागरिकों की आवश्यकताओं और तकनीकी प्रगति को ध्यान में रखते हुए सेवा सेतु पोर्टल का विस्तार किया गया। एकीकृत ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर जाति, आय और निवास प्रमाण पत्र, विवाह प्रमाण पत्र, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राजस्व प्रकरण तथा नाम परिवर्तन के लिए राजपत्र प्रकाशन जैसी 441 महत्वपूर्ण सेवाएं उपलब्ध हैं।

टीबी मुक्त नारायणपुर : एआई एक्स-रे और जनभागीदारी से अभियान को मिली नई रफ्तार

रायपुर। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान देश से क्षय रोग (टीबी) को खत्म करने का एक जन-आंदोलन है। इसके तहत मरीजों को पोषण, चिकित्सीय और व्यावसायिक सहायता दी जाती है। इसमें 'निक्षय मित्र' बनकर लोग या संस्थाएं टीबी रोगियों की मदद करते हैं। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जिले में संचालित 100 दिवसीय सघन टीबी जांच अभियान जिला प्रशासन नारायणपुरऔर स्वास्थ्य विभाग के समन्वित प्रयासों से तेजी से आगे बढ़ रहा है। जिले को टीबी मुक्त बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे इस अभियान के तहत जनवरी से जुलाई 2026 तक 2,470 लोगों के बलगम नमूनों की जांच की गई, जिसमें 147 टीबी मरीजों की पहचान कर उन्हें राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत त्वरित उपचार से जोड़ा गया है। नारायणपुर जिले के 87 हाई रिस्क गांवों को चिन्हित कर विशेष स्क्रीनिंग अभियान चलाया जा रहा है।

प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में पंचायतें निभाएं संरक्षक की भूमिका : ऋचा शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्राकृतिक सामुदायिक संसाधनों के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रबंधन में पंचायतों की भूमिका को और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से जिला पंचायत रायपुर द्वारा फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक्योरिटी तथा राज्य ग्रामीण विकास संस्थान के सहयोग से एक दिवसीय पंचायत सम्मेलन का आयोजन ठाकुर प्यारेलाल पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान, निमोरा में किया गया। सम्मेलन में प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, ग्राम पंचायत विकास योजना, जल एवं भूमि प्रबंधन, कानूनी प्रावधानों तथा पंचायतों के सफ्ल नवाचारों पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव ऋचा शर्मा ने कहा कि बदलते समय के अनुरूप पंचायतों को भी आधुनिक कार्यप्रणाली अपनानी होगी। विशेषकर रायपुर जैसे तेजी से औद्योगिक होते जिले में कृषि, पर्यावरण संरक्षण और विकास के बीच संतुलन स्थापित करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण पंचायत प्रतिनिधियों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से जुड़े कानूनी प्रावधानों और उनकी जिम्मेदारियों को समझने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज ग्राम विकास में ग्राम सभा की भूमिका पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। ग्राम विकास योजनाओं में प्राकृतिक संसाधनों को शामिल कर उनके सतत उपयोग की रणनीति तैयार करनी होगी। साथ ही कचरे का वैज्ञानिक प्रबंधन, नल-जल योजनाओं का नियमित संचालन एवं रखरखाव तथा जल, जंगल और भूमि के संरक्षण को पंचायतों की प्राथमिकता बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पंचायतें यदि संसाधनों की संरक्षक की भूमिका को प्रभावी ढंग से निभाएं तो सतत विकास के लक्ष्य अधिक तेजी से प्राप्त किए जा सकते हैं।

रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि यह पहला अवसर है जब विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच स्वयं मंच पर आकर अपने गांवों में किए गए नवाचारों और विकास कार्यों को साझा कर रहे हैं। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से ग्राम प्रमुख के रूप में गांव को अपना परिवार मानकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यदि पंचायत प्रतिनिधि पूरी जिम्मेदारी और पारदर्शिता के साथ कार्य करेंगे तो शिकायतों और निरीक्षणों की आवश्यकता स्वत: कम हो जाएगी तथा शासन-प्रशासन की भूमिका केवल मार्गदर्शक की रह जाएगी। उन्होंने विकसित भारत-ग्राम रोजगार एवं आजीविका मिशन (वीबी-जी रामजी) का उल्लेख करते हुए कहा कि यह नई पहल ग्राम पंचायतों को अधिक अधिकार, संसाधन और विकास के अवसर प्रदान करेगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में समग्र विकास को नई गति मिलेगी।

सम्मेलन में विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंचों ने अपने गांवों में किए गए उल्लेखनीय कार्यों को साझा किया। जिसमें जनपद पंचायत अभनपुर के ग्राम सोनेसिली के सरपंच अजय कुमार साहू ने बताया कि उनकी पंचायत ने 126 एकड़ शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया है। इस भूमि को वृक्षारोपण, खेल मैदान एवं चारागाह के रूप में विकसित किया जा रहा है, जबकि 5 एकड़ भूमि सामाजिक कार्यों के लिए सुरक्षित रखी गई है। सरपंच हेमंत वर्मा ने बताया कि पूर्ववर्ती मनरेगा के माध्यम से किए गए जल संरक्षण कार्यों के परिणामस्वरूप 72 एकड़ क्षेत्र को आर्द्रभूमि (वेटलैंड) के रूप में संरक्षित किया गया है।

मुख्यमंत्री साय ने 67.20 लाख माताओं और बहनों के खातों में डीबीटी के माध्यम से अंतरित किए 630.55 करोड़ रुपये

मातृशक्ति के खातों में पहुँची महतारी वंदन योजना की 30वीं किस्त

महतारी वंदन योजना मातृशक्ति के सम्मान, आत्मनिर्भरता और परिवारों की समृद्धि का अभियान - मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री निवास कार्यालय से महतारी वंदन योजना की 30वीं किस्त जारी करते हुए प्रदेश की 67 लाख 20 हजार 125 पात्र महिलाओं के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से 630 करोड़ 55 लाख 54 हजार 300 रुपये की राशि अंतरित की। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, प्रमुख सचिव शहला निगार तथा संचालक डॉ. रेणुका श्रीवास्तव उपस्थित थीं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि महतारी वंदन योजना राज्य सरकार की उन प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं में से एक है, जिसका उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर उन्हें सम्मानजनक और आत्मनिर्भर जीवन प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि जब माताएं और बहनें आर्थिक रूप से सशक्त होती हैं, तब परिवार मजबूत होता है, बच्चों का भविष्य सुरक्षित होता है और समाज विकास की नई दिशा में आगे बढ़ता है। इसलिए मातृशक्ति का सशक्तिकरण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह योजना केवल प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता राशि उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं के आत्मविश्वास, निर्णय क्षमता और सामाजिक भागीदारी को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम बन चुकी है। प्रदेश के लाखों परिवारों में यह राशि शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और आजीविका जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में उपयोग हो रही है, जिससे महिलाओं की आर्थिक भूमिका और अधिक सशक्त हुई है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि अनेक महिलाएं महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि का सदुपयोग करते हुए अपने बच्चों की शिक्षा पर खर्च कर रही हैं। कई माताएं अपनी बेटियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सुकन्या समृद्धि योजना में नियमित निवेश कर रही हैं। वहीं बड़ी संख्या में महिलाओं ने सिलाई-कढ़ाई, ब्यूटी पार्लर, डेयरी, किराना दुकान, सब्जी विक्रय, पशुपालन, अगरबत्ती निर्माण तथा अन्य छोटे स्वरोजगार शुरू कर अपनी आय बढ़ाई है। इससे वे न केवल परिवार की आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति कर रही हैं, बल्कि स्थानीय स्तर पर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल भी प्रस्तुत कर रही हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सुशासन का अर्थ केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक समय पर और पारदर्शी तरीके से पहुंचे। महतारी वंदन योजना इसी सोच का परिणाम है, जिसमें हर महीने बिना एक हजार रुपए की राशि सीधे महिलाओं के बैंक खातों में पहुंचाई जा रही है। डीबीटी व्यवस्था ने पारदर्शिता बढ़ाई है और महिलाओं में शासन के प्रति विश्वास भी मजबूत किया है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, स्वरोजगार, कौशल विकास तथा वित्तीय समावेशन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में लगातार कार्य कर रही है। महतारी वंदन योजना इन सभी प्रयासों का महत्वपूर्ण आधार बनकर महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा और सामाजिक सम्मान प्रदान कर रही है।

महतारी वंदन योजना का शुभारंभ 1 मार्च 2024 को किया गया था। आज जारी की गई 30वीं किस्त के बाद योजना के अंतर्गत वितरित कुल राशि बढ़कर 19 हजार 444 करोड़ 33 लाख रुपये से अधिक हो गई है।महतारी वंदन योजना का प्रभाव अब प्रदेश के लाखों परिवारों में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। नियमित आर्थिक सहायता मिलने से महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है, घरेलू निर्णयों में उनकी भागीदारी मजबूत हुई है तथा बच्चों की शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य पर खर्च बढ़ा है।

अनेक परिवारों की आर्थिक स्थिति में सुधार आया है और महिलाओं ने स्वयं सहायता समूहों तथा छोटे-छोटे व्यवसायों के माध्यम से अतिरिक्त आय अर्जित करना प्रारंभ किया है। महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण ही समावेशी विकास की सबसे मजबूत आधारशिला है। महतारी वंदन योजना इसी सोच को साकार करते हुए मातृशक्ति के सम्मान, स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता को नई मजबूती प्रदान कर रही है तथा विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

शहीद के सम्मान से शुरू हुआ 'हर घर तिरंगा' अभियान

कीर्ति चक्र विजेता अमर शहीद सोढ़ी नारायण के घर से हुआ राष्ट्रभक्ति अभियान का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की याद और देशभक्ति की भावना को जगाने के लिए शुरू किया गया एक राष्ट्रव्यापी जन-उत्सव है। इसके तहत नागरिकों को अपने घरों और प्रतिष्ठानों पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया जाता है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बीजापुर जिले में 'हर घर तिरंगा' अभियान की शुरुआत कीर्ति चक्र से सम्मानित अमर शहीद सोढ़ी नारायण के निवास से की गई। कलेक्टर विश्वदीप, पुलिस अधीक्षक ने शहीद के परिजनों को ससम्मान तिरंगा भेंट कर अभियान का शुभारंभ किया।

अधिकारियों ने शहीद सोढ़ी नारायण के अद्वितीय साहस, राष्ट्रसेवा और सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए उनके परिवार के प्रति सम्मान व्यक्त किया। उन्होंने शहीद की पत्नी और उनकी दोनों बेटियों से आत्मीय मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। इस अवसर पर शहीद के परिजनों ने कहा कि बीजापुर में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में अब शांति, सुरक्षा और विकास का वातावरण बना है।

उन्होंने बताया कि उनका पैतृक गांव उसूर विकासखंड के दूरस्थ क्षेत्र में है, जहां पहले सुरक्षा कारणों से जाना कठिन था। अब वे दो बार अपने गांव जा चुके हैं, जो उनके लिए बेहद भावुक और सुखद अनुभव रहा।

शहीद की बड़ी बेटी ने बताया कि वह बी.एससी. की पढ़ाई कर रही हैं और आगे एम.एससी. करना चाहती हैं। वहीं छोटी बेटी एलएलबी की पढ़ाई कर न्याय के क्षेत्र में अपना भविष्य बनाना चाहती हैं। कलेक्टर ने परिजनों को आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन उनके साथ हमेशा खड़ा रहेगा।

समाज की एकजुटता सामाजिक विकास की सबसे बड़ी शक्ति: राजेश अग्रवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने अंबिकापुर में आयोजित रजवार समाज की महत्वपूर्ण बैठक एवं सम्मान समारोह में शामिल होकर समाज के वरिष्ठजनों, माताओं, बहनों और युवाओं से आत्मीय भेंट की। इस अवसर पर समाज की ओर से उनका पुष्पमालाओं से स्वागत एवं सम्मान किया गया। समाज के प्रतिनिधियों ने विभिन्न सामाजिक एवं विकास संबंधी विषयों पर मंत्री को अवगत कराया और समाज के उत्थान के लिए आवश्यक पहल की अपेक्षा व्यक्त की।

बैठक को संबोधित करते हुए पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक शक्ति उसकी एकजुटता, शिक्षा और आपसी सहयोग में निहित होती है। उन्होंने कहा कि समाज के युवाओं को शिक्षा, रोजगार और सामाजिक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए तथा वरिष्ठजनों के अनुभवों का लाभ लेकर नई पीढ़ी को संगठित एवं संस्कारित करना समय की आवश्यकता है।

मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। समाज से जुड़े जनहित के मुद्दों पर सकारात्मक पहल की जाएगी। उन्होंने सामाजिक समरसता बनाए रखने, परंपराओं एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण तथा शिक्षा के स्तर को लगातार बेहतर बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर अग्रवाल ने कहा कि रजवार समाज की बैठक में सम्मिलित होकर समाज के सभी वरिष्ठजनों, माताओं, बहनों एवं युवाओं से आत्मीय भेंट का अवसर मिला। इस दौरान आप सभी द्वारा दिए गए स्नेह, सम्मान और आत्मीय आतिथ्य के लिए मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। रजवार समाज का छत्तीसगढ़ के सामाजिक विकास, सांस्कृतिक विरासत और जनसेवा में योगदान सदैव प्रेरणादायी एवं अतुलनीय रहा है।

अबूझमाड़ की लाल माटी पर खिंची विकास की नई रेखा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के घने जंगलों और दुर्गम पहाड़ियों से घिरे अबूझमाड़ क्षेत्र में सुरक्षा शिविरों के विस्तार, सड़कों के निर्माण और प्रशासनिक पहलों के जरिए लाल आतंक की छाया पीछे छूट रही है और बुनियादी विकास की एक नई रेखा खिंच रही है। वर्षों तक दुर्गम पहाड़ियों, सघन वनों और भौगोलिक बाधाओं के कारण विकास की मुख्यधारा से कटा 'अबूझमाड़' अब अपनी पुरानी पहचान पीछे छोड़ रहा है।

कभी जहां सड़कों का नामो-निशां नहीं था, वहां आज विकास की एक नई इबारत लिखी जा रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-130डी का नारायणपुर से कुतुल तक निर्माण इस क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक कायाकल्प की सबसे बड़ी मिसाल बनकर उभरा है। यह सड़क केवल कंक्रीट का मार्ग नहीं, बल्कि अबुझमाड़ के आदिवासियों की जीवनरेखा और स्वर्णिम भविष्य का द्वार बन गई है।

एक दौर था जब मानसून की पहली बारिश के साथ ही अबूझमाड़ के दर्जनों गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क पूरी तरह टूट जाता था। स्वास्थ्य, शिक्षा और दैनिक जरूरतों के लिए ग्रामीणों को कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता था। गंभीर मरीजों को खाट पर लादकर अस्पताल पहुंचाना मजबूरी थी, जहां घंटों की देरी जानलेवा साबित होती थी। बच्चों का स्कूल जाना और किसानों का अपनी उपज बाजार तक ले जाना एक कठिन संघर्ष था।

राष्ट्रीय राजमार्ग-130डी के आकार लेने के साथ ही परिदृश्य तेजी से बदला है। मार्ग पर निर्मित आधुनिक पुलों और पक्की संरचनाओं ने बारहमासी आवागमन को संभव बना दिया है। इसके चलते अब दूरस्थ अंचलों तक प्रशासनिक पहुंच, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के पहुंच रहा है।

सड़क बनने से अबूझमाड़ के जन-जीवन में बड़ा सकारात्मक बदलाव आया है। अब गंभीर मरीजों को समय पर एम्बुलेंस के माध्यम से अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। दुर्गम रास्तों के डर से दूर रहने वाले बच्चे अब आसानी से स्कूल और कॉलेज पहुंच रहे हैं। इसी तरह किसानों और स्थानीय कारीगरों को अपनी उपज और हस्तशिल्प को बड़े बाजारों तक ले जाने की सुविधा मिली है, जिससे स्थानीय व्यापार को संबल मिला है। एनएच-130डी सिर्फ नारायणपुर और कुतुल को नहीं जोड़ता, बल्कि यह अबूझमाड़ को राष्ट्रीय मुख्यधारा से जोड़ता है। आने वाले समय में यह मार्ग क्षेत्र में इको-टूरिज्म, नए निवेश, व्यापार और समग्र सामाजिक परिवर्तन की मजबूत आधारशिला साबित होगा।

आज विकास और समृद्धि की एक नई पहचान के साथ देश के मानचित्र पर मजबूती से उभर रहा है।

वन महोत्सव में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान को मिला जनसमर्थन

बलौदाबाजार वनमंडल में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधे लगाना एक अत्यंत आवश्यक कदम है। पेड़ हवा को शुद्ध करते हैं, ऑक्सीजन देते हैं, तापमान नियंत्रित करते हैं और मिट्टी के कटाव को रोकते हैं। हम सबको मिलकर अधिक से अधिक पेड़ लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए। बारिश के मौसम में पौधे लगाना सबसे अच्छा माना जाता है क्योंकि इन्हें पनपने के लिए प्राकृतिक पानी मिलता है।

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में बलौदाबाजार वनमंडल के वन परिक्षेत्र बल्दाकछार में परिक्षेत्र स्तरीय वन महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत बड़ी संख्या में पौधे लगाए गए और लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य अधिक से अधिक वृक्षारोपण को बढ़ावा देना, पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना था।

कार्यक्रम में वनमंडलाधिकारी धम्मशील गणवीर, प्रभारी वन परिक्षेत्र अधिकारी एकता कर सहित वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। इसके अलावा जनपद सदस्य, सरपंच, वन प्रबंधन समितियों के अध्यक्ष और सदस्य, स्थानीय जनप्रतिनिधि, बड़ी संख्या में स्कूली विद्यार्थी और ग्रामीणजन भी शामिल हुए। वृक्ष लगाएँ, जीवन बचाएँ क्योंकि प्रकृति केवल हमारी विरासत ही नहीं, बल्कि उसका संरक्षण आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है।

कार्यक्रम के दौरान ग्राम अर्जुनी (ब) स्थित गौठान में स्थानीय और उपयोगी प्रजातियों के पौधे लगाए गए। सभी प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के निर्माण के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने तथा लगाए गए पौधों की देखभाल करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में बताया गया कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। वन महोत्सव के माध्यम से समाज के हर वर्ग को प्रकृति संरक्षण के अभियान से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। पौधे वर्षा लाने में मदद करते हैं और भूजल स्तर बढ़ाते हैं । यह पक्षियों और जानवरों को आश्रय देते हैं।हवा को शुद्ध करता है और इसके औषधीय गुण होते हैं। पौधे लगाने के बाद उनकी नियमित रूप से सिंचाई करें। पौधों की सुरक्षा के लिए ट्री-गार्ड या बाड़ का उपयोग करें। वनमंडलाधिकारी धम्मशील गणवीर ने कहा कि वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में संचालित 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि यह अभियान लोगों में प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी और संवेदनशीलता बढ़ाने का प्रयास है।

उन्होंने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उन्हें वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों, वन प्रबंधन समितियों, विद्यार्थियों और स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी से ही पर्यावरण संरक्षण का लक्ष्य सफलतापूर्वक प्राप्त किया जा सकता है। हमारे आसपास के पर्यावरण को सुरक्षित बनाए रखने और खुली स्वच्छ हवा में सांस लेने के लिए पौधों की अतुलनीय भूमिका है। वन महोत्सव के माध्यम से बलौदाबाजार वनमंडल में पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी को नई ऊर्जा मिली है, जो हरित और सुरक्षित भविष्य की दिशा में एक सकारात्मक कदम है।

खतरनाक स्टंट करने की हिम्मत देते हैं, फरहाना भट्ट ने रोहित शेट्टी को बताया मजबूत सपोर्ट

स्टंट आधारित शो खतरों के खिलाड़ी में कंटेस्टेंट्स को शारीरिक ताकत के साथ-साथ मानसिक मजबूती भी दिखानी पड़ती है। ऐसे में होस्ट की भूमिका काफी अहम हो जाती है, क्योंकि उनका हौसला बढ़ाना कई बार कंटेस्टेंट्स को अपने डर पर जीत हासिल करने में मदद करता है। इस कड़ी में अभिनेत्री फरहाना भट्ट ने शो के होस्ट और फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी की जमकर तारीफ की।

उन्होंने कहा कि रोहित खिलाड़ियों में ऐसा आत्मविश्वास भर देते हैं कि वे उन स्टंट को भी करने के लिए तैयार हो जाते हैं, जिनसे वे शुरुआत में डर रहे होते हैं। बिग बॉस 19 में नजर आ चुकीं फरहाना भट्ट ने कहा, रोहित एक शानदार होस्ट हैं और उनकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि वह कंटेस्टेंट्स को लगातार प्रेरित करते रहते हैं।

कई बार ऐसा होता है कि कोई स्टंट देखकर आपको डर लगने लगता है और आपको लगता है कि शायद आप उसे नहीं कर पाएंगे। लेकिन अगर उसी समय रोहित शेट्टी आपके पास खड़े हों और आपका साथ दे रहे हों, तो आपको अलग ही हिम्मत मिलती है।

उन्होंने आगे कहा, रोहित के सपोर्ट के साथ कोई भी कंटेस्टेंट मौत के कुएं जैसे डरावने स्टंट में भी उतरने का साहस जुटा सकता है। शो को लेकर फरहाना ने कहा, इस शो में जीतने के लिए सिर्फ ताकत नहीं, बल्कि पूरी ईमानदारी और सौ फीसदी समर्पण की जरूरत होती है।

फरहाना ने कहा, मेरा मानना है कि इस शो में वही आगे बढ़ सकता है, जो हर स्टंट में अपना सौ फीसदी देता है। जब आप बिना डरे पूरी मेहनत के साथ चुनौती का सामना करते हैं, तभी आपका असली प्रदर्शन सामने आता है। दर्शक भी उसी कंटेस्टेंट को पसंद करते हैं, जो हर टास्क में पूरी लगन और हिम्मत दिखाता है। आखिर में दर्शक ही तय करते हैं कि कौन इस शो का असली विजेता बनने के योग्य है। हाल ही में अभिनेता गौरव खन्ना ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया था, जिसमें स्टंट के दौरान लगी चोटों के निशान दिखाई दे रहे थे। उन्होंने बताया था कि एक टास्क को पूरा करने के दौरान उनकी पीठ पर लेजर से जलने के निशान आ गए थे।

खतरों के खिलाड़ी 15 का टेलीकास्ट कलर्स टीवी पर होता है।

गौरव मेरा कंफर्ट जोन नहीं, डॉग वाले बयान पर आकांक्षा चमोला ने तोड़ी चुप्पी

टेलीविजन अभिनेत्री और लॉकअप-2 कंटेस्टेंट रही आकांक्षा चमोला ने पति गौरव खन्ना को लेकर दिए गए विवादित बयान पर चुप्पी तोड़ी। अभिनेत्री ने बताया कि जिस तरह से उनके बयानों को तोड़कर दिखाया गया है, वैसा कुछ भी नहीं था। आकांक्षा चमोला ने शो से बाहर निकलने के बाद मीडिया से बातचीत की।

उन्होंने कहा, मैं चाहती थी कि शो के अंदर विजिटर के तौर पर मुझसे वो लोग मिलने आए, जिनके साथ मैं अपना कंफर्ट महसूस करती हूं जैसे कि मेरे माता-पिता या फिर डॉग आते तो मुझे अच्छा लगता, क्योंकि इनके साथ मैं अपना कंफर्ट महसूस करती हूं। गौरव भले ही मेरा पति हैं और अब हम डिवॉर्स लेने जा रहे हैं, लेकिन वो मेरा कंफर्ट जोन नहीं हैं। वो पता नहीं क्यों आया, शायद अपनी मर्जी से आया होगा। दरअसल, शो के दौरान आकांक्षा चपोला के पति गौरव खन्ना उनसे मिलने के लिए आए थे, जिसके कुछ एपिसोड बाद अभिनेत्री ने बताया था कि शो के दौरान गौरव खन्ना की जगह कोई ऐसा मिलने आता, जिसके साथ वो अपनापन महसूस करती, भले उनका डॉग मिलने आता।

शो में एंट्री लेने से पहले आकांक्षा चमोला ने अपना सीक्रेट रिवील करते हुए बताया था कि वह और गौरव खन्ना एक साल से अलग रह रहे हैं और तलाक लेने जा रहे हैं। इसके बाद श्रेया कालरा ने उनका दूसरा सीक्रेट रिवील कर दिया था कि वे बायसेक्सुअल हैं, जिसके बाद आकांक्षा चमोला ने ये बात स्वीकारी भी थी। साथ ही ये भी बताया था कि पति गौरव खन्ना को भी उनकी सेक्सुअलिटी के बारे में पता था।

रितेश देशमुख और फराह खान द्वारा होस्ट किए गए इस शो में शिल्पा शिंदे, श्रेया कालरा, आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, सुनीता आहूजा, राम कपूर, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर, माधुरी जैन ग्रोवर, रियाज अली और वरुण यादव उर्फलैला जैसे पॉपुलर नाम थे, हालांकि कंटेस्टेंट श्रेया कालरा ने टॉप 3 की रेस में शिवांगी जोशी और योगेश रावत को हराकर इस सीजन की ट्रॉफी अपने नाम कर 1 करोड़ का इनाम भी अपने नाम किया।

हर्षवर्धन और संजीदा का रिलेशनशिप कन्फर्म?

पुणे की तस्वीरों से फिर शुरू हुई चर्चा, फैंस ने लगाई अटकलें

बीते कई दिनों से हर्षवर्धन राणे और संजीदा शेख के साथ होने की चर्चाएं जारी हैं। पहले भी कई बार एक्टर्स को साथ देखा जा चुका है। अब उनकी इंस्टाग्राम पोस्ट के बाद एक बार फिर फैंस के मन में कई सवाल खड़े होने लगे हैं।

पोस्ट के बैकग्राउंड से शुरू हुई चर्चाएं

दरअसल हर्षवर्धन राणे और संजीदा शेख ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ दिनों पहले कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। ये तस्वीरें पुणे के विंड्स ओवर वॉटर के केबिन की हैं। दोनों की पोस्ट में कुछ समानताएं नजर आ रही हैं। पोस्ट एक जगह की है, जहां वे शांति भरा समय बिताते नजर आ रहे हैं। खास बात ये है कि दोनों की तस्वीरें एक ही जगह की दिखाई दे रही है। हालांकि दोनों की साथ में कोई तस्वीर नहीं है।

फैंस ने लगाई अटकलें

अब दोनों की इन तस्वीरों को देखकर फैंस में उनके रिलेशनशिप में होने की चर्चा शुरू हो गई है। फैंस भी उनकी पोस्ट पर साथ होने के कमेंट कर रहे हैं।

दोनों साथ कर चुके हैं फिल्में

हर्षवर्धन राणे और संजीदा शेख दो प्रोजेक्ट्स पर एक साथ काम कर चुके हैं। 2020 की एक्शन थ्रिलर फिल्म 'तैश' (जिसे जी5 पर रिलीज किया गया था) और थ्रिलर फिल्म 'कुन फाया कुन' में दोनों की जोड़ी साथ नजर आई थी।

'किसी भी बात पर यकीन दिला सकते हैं' अदिति राव ने बांधे रणबीर कपूर की तारीफों के पुल

रणबीर कपूर इन दिनों नितेश तिवारी निर्देशित फिल्म 'रामायण' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म की चर्चा के बीच अदिति राव हैदरी ने रणबीर कपूर को जमकर सराहा है। उनके साथ अभिनय करने का पुराना अनुभव भी साझा किया है।

अदिति राव हैदरी ने रणबीर कपूर के साथ फिल्म 'रॉकस्टार' में अभिनय किया था, वह इस फिल्म में सहायक भूमिका में थीं। उनके और रणबीर कपूर के बीच भी रोमांटिक सीन्स फिल्म में थे। 'रॉकस्टार' में अदिति ने शीना का रोल किया था। हाल ही में फिल्म 'रामायण' की चर्चा के बीच वह रणबीर कपूर की एक्टिंग स्किल्स के बारे में काफी कुछ बोलीं।

रणबीर कपूर को बताया अपना पसंदीदा अभिनेता

ह्यूमंस ऑफ बॉम्बे को दिए गए हालिया इंटरव्यू में अदिति राव हैदरी कहती हैं, 'रणबीर के साथ काम करना जबरदस्त था। वह कमाल के हैं, सच में कमाल के हैं। वह मेरे पसंदीदा एक्टर्स में से एक हैं। वह काम के दौरान पूरी तरह मौजूद रहते हैं। वह आपको किसी भी बात पर यकीन दिला सकते हैं।'

इस निर्देशक की भी कायल हैं अदिति राव हैदरी?

रणबीर कपूर के अलावा अदिति राव हैदरी ने निर्देशक संजय लीला भंसाली का भी जिक्र किया। वह कहती हैं, 'मैं संजय सर को बहुत पसंद करती हूं। मुझे उनके साथ काम करना बहुत अच्छा लगता है। वह हमारे लिए बहुत शानदार माहौल बनाते हैं और अपने एक्टर्स और किरदारों से बहुत प्यार करते हैं। वह जो कुछ भी करते हैं, उसमें प्यार और जबरदस्त जुनून होता है। यह देखना बहुत इंस्पायरिंग होता है। हर कोई इस बारे में बात करता है कि वह अपने एक्टर्स को कैसे चुनौती देते हैं, लेकिन वह खुद को सबसे ज्यादा चुनौती देते हैं।'

अदिति राव का का करियर फ्रंट

इस साल वह साइलेंट फिल्म 'गांधी टॉक्स' में नजर आईं। इसके अलावा वह दो फिल्में 'पारिवारिक मनोरंजन' और 'लायनेस' भी कर रही हैं। इन दोनों फिल्मों की शूटिंग जारी है।

रोजाना गोमुखासन करने से मिल सकते हैं कई स्वास्थ्य लाभ जानिए अभ्यास का तरीका

गोमुखासन को योग की सबसे प्रभावी मुद्राओं में से एक माना जाता है। इसका अभ्यास करने से कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं। यहां हम आपको इस योगासन के बारे में विस्तार से बताएंगे और रोजाना इसे करने के फायदे भी बताएंगे। गोमुखासन का नाम 2 शब्दों से लिया गया है, जिसमें गौ का मतलब गाय और मुख का मतलब मुंह है। यह योगासन शरीर को ताकतवर और लचीला बनाने में मदद कर सकता है।

गोमुखासन करने का तरीका

सबसे पहले जमीन पर सीधे बैठें और अपने दाएं पैर को मोड़ते हुए बाएं घुटने के ऊपर से इसके किनारे जमीन पर रखें। इसी तरह अपने बाएं पैर को मोड़ते हुए दाएं घुटने के ऊपर से इसके किनारे जमीन पर रखें।

अब अपने दोनों हाथों को कोहनी से मोड़ते हुए पीठ के पीछे आपस में पकड़ने का प्रयास करें। इस मुद्रा में कुछ मिनट रहने के बाद धीरे-धीरे सामान्य हो जाएं।

पीठ की समस्याओं से मिलेगा छुटकारा

गोमुखासन का नियमित अभ्यास पीठ की समस्याओं को दूर करने में मदद कर सकता है। यह योगासन पीठ के निचले हिस्से, कंधों और गर्दन की मांसपेशियों को मजबूती देता है।

इसके अलावा यह योगासन रीढ़ की हड्डी को भी स्वस्थ रखता है। अगर आपको पीठ में दर्द की समस्या रहती है तो रोजाना इस योगासन का अभ्यास जरूर करें।

इससे आपकी पीठ मजबूत बनेगी और दर्द से राहत भी मिलेगी।

पाचन क्रिया को कर सकता है दुरुस्त

गोमुखासन पाचन क्रिया के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसका नियमित अभ्यास पेट की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है और पाचन क्रिया को सुधारता है।

इससे कब्ज और गैस जैसी समस्याओं से राहत मिलती है। इसके अलावा यह योगासन पेट की अंदरूनी सफाई भी करता है और रक्त के प्रवाह को बेहतर बनाता है।

अगर आप रोजाना गोमुखासन करते हैं तो आपकी पाचन क्रिया स्वस्थ रहती है और पेट संबंधी समस्याओं से दूर रहते हैं।

प्रदान करता है मानसिक शांति

गोमुखासन मानसिक शांति प्रदान करने में भी मददगार है। यह योगासन दिमागी तनाव को कम करता है और मन को शांत रखता है।

इसके नियमित अभ्यास से ध्यान लगाने की क्षमता बढ़ती है और मानसिक स्पष्टता मिलती है। गोमुखासन करने से आप अधिक सतर्क और केंद्रित महसूस करते हैं, जिससे आपकी उत्पादकता भी बढ़ती है।

यह योगासन मानसिक संतुलन बनाए रखने में भी मदद करता है, जिससे आप अधिक शांत और खुश रहते हैं।

सांस संबंधी समस्याओं को करता है दूर

गोमुखासन सांस संबंधी समस्याओं, जैसे अस्थमा और ब्रोंकाइटिस आदि में भी लाभकारी सिद्ध हो सकता है। इस योगासन का नियमित अभ्यास फेफड़ों की क्षमता बढ़ाता है और सांस लेने की प्रक्रिया को सुधारता है।

गोमुखासन करने से श्वसन तंत्र मजबूत होता है, जिससे ऑक्सीजन का बेहतर उपयोग होता है।

इसके अलावा यह योगासन श्वसन नलियों को खोलता है और फेफड़ों की कार्यक्षमता को सुधारता है, जिससे सांस संबंधी समस्याओं में राहत मिलती है।

प्रधानमंत्री आवास योजना ने दासरथी गुप्ता के परिवार को दिया पक्का आशियाना, बदली जिंदगी की तस्वीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ग्रामीण भारत में जरूरतमंद परिवारों के जीवन में स्थायी बदलाव ला रही है। योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को पक्का और सुरक्षित आवास उपलब्ध कराकर उन्हें बेहतर जीवन की नई राह दी जा रही है।

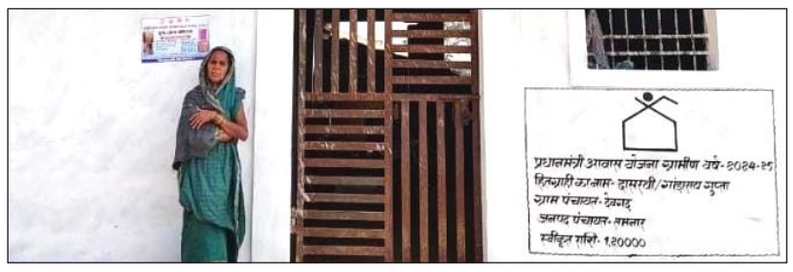

रायगढ़ जिले के तमनार विकासखंड के ग्राम पंचायत देवगढ़ निवासी दासरथी गुप्ता का परिवार भी इसी बदलाव की एक प्रेरक मिसाल है। दासरथी गुप्ता का परिवार लंबे समय तक कच्चे और जर्जर मकान में रहने को मजबूर था। परिवार की आजीविका खेती-बाड़ी और सब्जी बिक्री से चलती थी। सीमित आमदनी में परिवार की रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना और बच्चों की जिम्मेदारियां निभाना ही चुनौतीपूर्ण था। ऐसे में पक्का मकान बनाना परिवार के लिए एक सपना ही था। कच्चे मकान में रहने के दौरान हर वर्ष बारिश और तेज आंधी के मौसम में परिवार को घर की सुरक्षा की चिंता सताती थी। मौसम की मार से मकान को नुकसान पहुंचता और बार-बार मरम्मत पर होने वाला खर्च परिवार की सीमित आय पर अतिरिक्त बोझ डालता था। सुरक्षित आवास का अभाव परिवार के लिए लंबे समय से परेशानी का कारण बना हुआ था।

वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत दासरथी गुप्ता के नाम आवास स्वीकृत हुआ। शासन से प्राप्त आर्थिक सहायता से उन्होंने अपने सपनों का पक्का घर तैयार किया। आज उनका परिवार सुरक्षित, स्वच्छ और सम्मानजनक वातावरण में जीवन यापन कर रहा है। पक्का आवास मिलने के बाद परिवार के जीवन में स्थिरता आई है। अब बारिश और आंधी के दौरान घर की सुरक्षा को लेकर चिंता नहीं रहती। परिवार के लिए यह मकान सिर्फ ईंट और सीमेंट से बना घर नहीं, बल्कि सुरक्षित भविष्य, सम्मान और आत्मविश्वास का आधार बन गया है।

दासरथी गुप्ता बताते हैं कि पहले कच्चे मकान में रहते हुए हर मौसम में घर की चिंता बनी रहती थी। प्रधानमंत्री आवास योजना से मिले पक्के घर ने इस चिंता को दूर कर दिया है। उन्होंने योजना के लिए शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पक्का आवास उनके परिवार के लिए नई खुशियां लेकर आया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के माध्यम से प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे परिवारों को पक्के आवास का सहारा मिल रहा है, जो आर्थिक परिस्थितियों के कारण अपने स्तर पर घर का निर्माण नहीं कर पाते थे। दासरथी गुप्ता की कहानी यह दर्शाती है कि एक सुरक्षित आवास परिवार के जीवन में केवल भौतिक सुविधा ही नहीं, बल्कि सम्मान, स्थिरता और बेहतर भविष्य की उम्मीद भी लेकर आता है।

खास-खबर

मिशन वात्सल्य के तहत व्यापक बाल संरक्षण जागरूकता अभियान

रायपुर। बच्चों की सुरक्षा, संरक्षण और अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से राज्य बाल संरक्षण समिति के निर्देशन में जिला बालोद के विकासखंड गुंडरदेही स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय इरागुड़ा में मिशन वात्सल्य एकीकृत बाल संरक्षण सेवाएं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को पॉक्सो अधिनियम 2012, किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006, बाल अधिकारों, गुड टच-बैड टच, साइबर अपराध से बचाव तथा चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बच्चों को यह समझाया कि किसी भी प्रकार के शोषण, हिंसा, उत्पीड़न, ऑनलाइन धोखाधड़ी या संकट की स्थिति में वे किस प्रकार सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर बच्चों को सुरक्षित व्यवहार, आत्म-सुरक्षा, डिजिटल माध्यमों के जिम्मेदार उपयोग तथा संदिग्ध परिस्थितियों में तुरंत भरोसेमंद वयस्कों और सहायता सेवाओं से संपर्क करने के बारे में भी जागरूक किया गया।

एनडीएमए एवं एनडीआरएफ की संयुक्त बैठक सम्पन्न

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण(सीजीएसडीएमए) में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) एवं राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) के अधिकारियों के साथ संयुक्त समीक्षा बैठक आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित की गई। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की सचिव शम्मी आबिदी ने बताया कि राज्य में आपदा जोखिम न्यूनीकरण, मानसून अवधि की तैयारियों तथा आपदा प्रतिक्रिया तंत्र के बारे में बताया। राज्य में बाढ़, अतिवृष्टि, आकाशीय बिजली एवं भूस्खलन जैसी मौसमी आपदाओं की तैयारियों की समीक्षा की। राज्य एवं जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र की कार्यप्रणाली तथा समन्वय व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों ने जानकारी दी। एसडीआरएफ एवं जिला प्रशासन के मध्य त्वरित प्रतिक्रिया एवं समन्वय को और सुदृढ़ बनाने पर विचार किया गया।

हर क्षेत्र में मजबूत हो रही सुविधाओं की नींवः ओपी चौधरी

रिंग रोड, नालंदा परिसर, नर्सिंग एवं फिजियोथेरेपी महाविद्यालय सहित शिक्षा-स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में विकास कार्यों को गति देने के साथ रायगढ़ शहर में नागरिक सुविधाओं और अधोसंरचना के विस्तार के लिए भी लगातार योजनाबद्ध प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में प्रदेश के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओपी चौधरी ने आज रायगढ़ प्रवास के दौरान नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया।

उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता ऐसे विकास कार्यों को धरातल पर उतारना है, जिनका सीधा लाभ आम नागरिकों को मिले और रायगढ़ आने वाले वर्षों में आधुनिक, सुविधायुक्त एवं व्यवस्थित शहर के रूप में विकसित हो। वित्त मंत्री चौधरी ने वार्ड क्रमांक 28 पंजरी प्लांट में 33 लाख रुपए की लागत से सामुदायिक भवन एवं शासकीय स्कूल में बाउंड्रीवाल निर्माण का भूमिपूजन किया। वहीं वार्ड क्रमांक 9 नवागढ़ी में 8 लाख रुपए की लागत से निर्मित शेड का लोकार्पण किया। इन विकास कार्यों से स्थानीय नागरिकों को सामुदायिक गतिविधियों, शिक्षा एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं के लिए बेहतर अधोसंरचना उपलब्ध होगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि रायगढ़ के समग्र विकास के लिए राज्य सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है। विकास का उद्देश्य केवल बड़े निर्माण कार्य करना नहीं, बल्कि ऐसी सुविधाएं विकसित करना है, जिनसे आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आए।

मंत्री चौधरी ने कहा कि आने वाले वर्षों में रायगढ़ शहर में 10 ऑक्सीजोन विकसित करने की दिशा में कार्य किया जाएगा। इससे शहर में हरित क्षेत्र का विस्तार होगा और नागरिकों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। ऑक्सीजोन के साथ सार्वजनिक स्थलों पर स्वास्थ्य, व्यायाम एवं मनोरंजन से जुड़ी सुविधाओं के विकास पर भी जोर दिया जाएगा।

पंजरी प्लांट में आयोजित कार्यक्रम के दौरान वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने क्षेत्रवासियों के लिए पर्यावरण एवं स्वास्थ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण सौगात की घोषणा की। उन्होंने उपभोक्ता फेरम के पास ऑक्सीजोन विकसित करने तथा ओपन जिम स्थापित करने की घोषणा की। इससे क्षेत्र के नागरिकों को हरित वातावरण के साथ व्यायाम एवं स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी।

इस अवसर पर वित्त मंत्री चौधरी ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान करते हुए कहा कि हरित रायगढ़ के निर्माण में जनभागीदारी महत्वपूर्ण है।

रिंग रोड से मजबूत होगी शहर की अधोसंरचना

वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि रायगढ़ की बढ़ती जरूरतों और यातायात के दबाव को देखते हुए शहर की अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए बड़े प्रोजेक्ट पर भी तेजी से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि लगभग 600 करोड़ रुपए की लागत से रिंग रोड के निर्माण की दिशा में कार्य किया जा रहा है। रिंग रोड के निर्माण से शहर के यातायात को बेहतर बनाने के साथ ही भविष्य के अधोसंरचना विकास को भी गति मिलने की उम्मीद है। चौधरी ने कहा कि रायगढ़ में नालंदा परिसर का निर्माण कराया जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों को अध्ययन एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर वातावरण और सुविधाएं मिलेंगी। अलावा जिले में नर्सिंग महाविद्यालय एवं फिजियोथेरेपी महाविद्यालय खोलने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। रायगढ़ में प्रयास विद्यालय पहले से संचालित है और स्वास्थ्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में संस्थागत सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा, ताकि जिलेवासियों को उच्च गुणवत्ता की सुविधाओं के लिए दूसरे शहरों पर निर्भर न रहना पड़े।

26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा जीपीएम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में खेल संस्कृति को नई गति मिल रही है। खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने और उन्हें राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के उद्देश्य से राज्य सरकार लगातार प्रभावी पहल कर रही है। इसी कड़ी में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिला 18 से 21 अगस्त तक आयोजित होने वाली 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा। चार दिवसीय इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में प्रदेश के पांचों संभागों से 14 से 19 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 540 खिलाड़ी अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगे।

राज्य सरकार खेलों को केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और स्वस्थ जीवन शैली का सशक्त आधार मानती है। शालेय स्तर पर आयोजित होने वाली ऐसी प्रतियोगिताएं युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने के साथ-साथ बड़े मंचों तक पहुंचने का अवसर प्रदान करती हैं।

प्रतियोगिता के सफल एवं गरिमामय आयोजन के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक लेकर तैयारियों का विस्तृत जायजा लिया। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ समय-सीमा में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि राज्यभर से आने वाले खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और अधिकारियों को उत्कृष्ट सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। बैठक में खेल स्थलों के चयन, खिलाड़ियों के आवास एवं भोजन, परिवहन, स्वास्थ्य परीक्षण, चिकित्सा सुविधा, साफ -सफाई, सुरक्षा, यातायात प्रबंधन तथा उद्घाटन एवं समापन समारोह की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई।

ड्रिप सिंचाई और मल्चिंग ने बदली महिला किसान की तकदीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कभी खेती को केवल गुजर-बसर का साधन मानने वाले छोटे और सीमांत किसानों के लिए आधुनिक कृषि तकनीक नई संभावनाओं के द्वार खोल रही है। कोरबा जिले के विकासखंड कोरबा अंतर्गत ग्राम पतरापाली की महिला किसान राजश्री मार्को ने वैज्ञानिक खेती और आधुनिक तकनीक को अपनाकर यह साबित कर दिया है कि सीमित संसाधनों और कम भूमि में भी बेहतर उत्पादन लेकर खेती को लाभ का व्यवसाय बनाया जा सकता है।

श्रीमती राजश्री मार्को ने राष्ट्रीय बागवानी मिशन के माध्यम से विभागीय योजनाओं की जानकारी प्राप्त की और वर्ष 2024-25 में 1.20 हेक्टेयर क्षेत्र में हाइब्रिड टमाटर की खेती आधुनिक तकनीक से शुरू की। उन्होंने खेत में ड्रिप (टपक) सिंचाई प्रणाली और मल्चिंग शीट का उपयोग किया। इससे फसल को आवश्यकता के अनुसार पानी, पोषण और संरक्षण मिलता रहा तथा खेत में नमी लंबे समय तक बनी रही।

आधुनिक तकनीक के बेहतर परिणाम श्रीमती राजश्री की मेहनत में साफ दिखाई दिए। उन्होंने एक सीजन में लगभग 100 से 120 टन उच्च गुणवत्ता वाले टमाटर का उत्पादन प्राप्त किया। उपज को बाजार में बेचकर उन्होंने लगभग 8 से 10 लाख रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया। यह उपलब्धि उनके लिए केवल आर्थिक सफलता नहीं, बल्कि खेती के पारंपरिक तौर-तरीकों से आगे बढ़कर वैज्ञानिक तकनीक अपनाने का परिणाम भी है।

उनकी सफलता अब आसपास के किसानों के लिए प्रेरणा बन रही है। ड्रिप सिंचाई प्रणाली अपनाने से खेत में पानी का उपयोग अधिक प्रभावी ढंग से हुआ। पौधों की जड़ों तक आवश्यकता के अनुसार पानी और घुलनशील उर्वरक पहुंचाए गए। इससे पानी की बचत के साथ-साथ पौधों को पोषक तत्वों की बेहतर उपलब्धता सुनिश्चित हुई। वहीं, मल्चिंग शीट के उपयोग से खेत में खरपतवार का अंकुरण काफी हद तक नियंत्रित रहा।

चांपा में राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस के अवसर पर जांजगीर-चांपा जिले के चांपा में भारतीय हाथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान, चांपा में विधि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जांजगीर-चांपा जिले के बुनकरों ने अपनी पीढ़ी-दर-पीढ़ी की कला और बेहतरीन हथकरघा तकनीकों से बनी चांपा का कोसा सिल्क पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। बुनकरों के कड़े परिश्रम और अनूठी डिजाइनिंग के कारण ही चांपा को कोसा नगरी के रूप में वैश्विक पहचान मिली है। छत्तीसगढ़ का प्रसिद्ध कोसा सिल्क हमारी समृद्ध हस्तकरघा परंपरा, कुशल बुनकरों की मेहनत और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है।

राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों ने चांपा की समृद्ध कोसा परंपरा, स्थानीय बुनकरों के हुनर और युवा प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान किया। पारंपरिक कौशल, आधुनिक तकनीक, कौशल विकास और बाजार की मांग के बीच बेहतर समन्वय से चांपा के कोसा एवं हाथकरघा उत्पादों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की दिशा में इन आयोजनों को महत्वपूर्ण भूमिका मानी जा रही है। राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस के अवसर पर कोसा सेवा केन्द्र, रायगढ़ द्वारा चांपा में कोसा प्रदर्शनी, फैशन शो, निबंध, रंगोली एवं चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। संस्थान के द्वारा प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को सम्मानित भी किया गया। अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और हाथकरघा एवं कोसा से निर्मित उत्पादों की सराहना की।

हाथकरघा परंपरागत बुनकरों के हुनर और कोसा वस्त्रों की विशिष्ट पहचान के संबंध में विधायक श्री ब्यास कश्यप ने कहा कि चांपा के कोसा बुनकरों और शिल्पकारों के अथक परिश्रम एवं हुनर ने इस क्षेत्र को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि बुनकरों की समृद्ध परंपरा हमारी सांस्कृतिक धरोहर है।

राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस पर जशपुर की समृद्ध हाथकरघा संस्कृति को मिली नई पहचान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस के अवसर पर जशपुर जिले के घोलेंग ग्राम पंचायत स्थित आजीविका परिसर में पारंपरिक हाथकरघा कला और स्थानीय संस्कृति का जीवंत रंग देखने को मिला। स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा धारण कर हर्षोल्लास के साथ राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस मनाया। कार्यक्रम में हाथकरघा आधारित आजीविका से परंपरागत रूप से जुड़े लगभग 35 से 40 परिवारों की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

इस अवसर पर महिलाओं ने हाथकरघा से निर्मित शॉल, पारंपरिक आभूषण तथा बांस से तैयार विभिन्न उपयोगी एवं आकर्षक उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई।

प्रदर्शनी के माध्यम से जशपुर की स्थानीय कला, शिल्प, परंपरा और ग्रामीण महिलाओं के हुनर को प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि पारंपरिक हाथकरघा केवल सांस्कृतिक विरासत ही नहीं, बल्कि ग्रामीण परिवारों के लिए स्थायी आजीविका और आर्थिक सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण माध्यम भी बन सकती है।

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदमः कार्यक्रम में बिहान के जिला दल से डीएमएम, डीपीएम, आदित्य बिरला समूह के परिसर प्रमुख एवं प्रशिक्षक सहित स्व सहायता समूहों से जुड़ी सैकड़ों दीदियां उपस्थित रहीं। महिलाओं ने पारंपरिक हस्तकरघा कला को संरक्षित करने, स्थानीय शिल्प को नई पहचान दिलाने तथा आधुनिक बाजार से जोड़कर इसे आय का मजबूत साधन बनाने का संकल्प लिया। राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस पर घोलेंग में आयोजित यह आयोजन जशपुर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, स्थानीय हुनर और ग्रामीण आजीविका को एक मंच पर लाने वाली महत्वपूर्ण पहल बनकर सामने आया। प्रशिक्षण, उत्पादन, डिजाइन और बाजार की सुविधाओं से जुड़कर जशपुर का पारंपरिक हाथकरघा क्षेत्र आने वाले समय में स्थानीय परिवारों के लिए रोजगार एवं आय के नए अवसर सृजित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

सुविधाओं से सशक्त होगा पारंपरिक हस्तकरघा क्षेत्र

जिला प्रशासन द्वारा घोलेंग स्थित आजीविका परिसर में हैंडलूम प्रशिक्षण एवं उत्पादन केंद्र का निर्माण कराया जा रहा है। इस केंद्र के माध्यम से हाथकरघा क्षेत्र से जुड़े परिवारों को आधुनिक मशीनरी एवं तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार, लैब टेस्टिंग, आधुनिक डिजाइन और बेहतर बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। केंद्र के जरिए जशपुर की पारंपरिक हाथकरघा कला को आधुनिक तकनीक एवं बाजार की मांग के अनुरूप विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। इससे स्थानीय कारीगरों और स्व सहायता समूहों को अपने उत्पादों को व्यापक बाजार तक पहुंचाने के अवसर मिलेंगे और उनकी आय में वृद्धि की संभावनाएं भी बढ़ेंगी।

प्रशिक्षण से डिजाइन और बाजार तक बनेगी पूरी व्यवस्था

आदित्य बिरला समूह के प्रबंधन एवं सहयोग से प्रशिक्षण, उत्पादन, डिजाइन विकास तथा बाजार से जुड़ी गतिविधियों को प्रभावी बनाने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। इसका उद्देश्य स्थानीय महिलाओं और कारीगरों के पारंपरिक कौशल को निखारते हुए उन्हें आधुनिक उत्पादन तकनीक और बाजार की बदलती जरूरतों से जोड़ना है। हाथकरघा एवं बांस उत्पादों की प्रदर्शनी में स्थानीय महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों ने आकर्षित किया। इन उत्पादों में स्थानीय परंपरा और आधुनिक उपयोगिता का सुंदर समन्वय देखने को मिला।

गेंदे की खेती से कुमारी चंद्राकर को अतिरिक्त आमदनी

रायपुर। महासमुंद जिले जिले के बागबाहरा विकासखण्ड के ग्राम भदरसी की कृषक कुमारी चंद्राकर पति दाऊलाल चंद्राकर ने पारंपरिक खेती के साथ उद्यानिकी फसलों को अपनाकर अपनी कृषि आय में वृद्धि की है। श्रीमती चंद्राकर बताती हैं कि धान की खेती में अधिक लागत और अपेक्षाकृत कम उत्पादन के कारण उनका रुझान धीरे-धीरे उद्यानिकी फसलों की ओर बढ़ा। इसके बाद उन्होंने सब्जियों और फूलों की खेती को अपनी नियमित कृषि गतिविधियों का हिस्सा बनाया। वर्तमान में वे धनिया, प्याज, बैंगन, मूली, भाजी सहित विभिन्न उद्यानिकी फसलों की खेती कर रही हैं। वर्ष 2025-26 में कुमारी चंद्राकर ने राष्ट्रीय बागवानी मिशन के अंतर्गत पुष्प क्षेत्र विस्तार घटक के तहत गेंदा फूल की खेती की।

खास खबर

तेज रफ्तार वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, युवक की मौत

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा जिले में ग्राम किरारी निवासी मनीष मरावी अपने दो साथी दुर्गेश और सूरज के साथ किसी काम से घर से निकले थे। राष्ट्रीय राजमार्ग 49 पर एफसीआई गोदाम के पास पहुंचते ही एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। मनीष की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दुर्गेश और सूरज गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही एसडीओपी मिथलेन्द्र प्रताप सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। घायलों को तत्काल सीएचसी अस्पताल भेजा गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बिलासपुर रेफर कर दिया गया है। मृतक मनीष मरावी के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने अज्ञात वाहन के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

अवैध शराब पर आबकारी का शिकंजा, महुआ शराब व अंग्रेजी शराब जब्त

कोरिया। कलेक्टर रोक्तिमा यादव के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग ने अवैध शराब के विरुद्ध अभियान चलाते हुए दो कार्रवाई में 12 लीटर महुआ शराब और 4.140 लीटर मध्यप्रदेश निर्मित अंग्रेजी शराब जब्त की है। ग्राम तोलगा में छापेमारी के दौरान सुशील लकड़ा के कब्जे से 12 लीटर महुआ शराब बरामद कर आबकारी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद 14 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया। दूसरी कार्रवाई में राजेंद्र कुमार के कब्जे से 23 पाव मध्यप्रदेश निर्मित गोवा व्हिस्की जब्त कर वैधानिक कार्रवाई की गई। जिला आबकारी अधिकारी रमेश अग्रवाल के निर्देशन में हुई कार्रवाई में आबकारी टीम की सक्रिय भूमिका रही। विभाग ने आमजन से अवैध शराब के बिक्री एवं परिवहन की सूचना तत्काल देने की अपील की है।

10 लाख के 4 टन बिजली वायर की चोरी, दो आरोपी हुए गिरफ्तार

राजनांदगांव। तुमड़ीबोड़ पुलिस ने बड़ी मात्रा में बिजली की तार चोरी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से चोरी में प्रयुक्त पिकअप वाहन भी जब्त किया हैं। तुमड़ीबोड़ पुलिस ने बताया कि 21 जुलाई को प्रार्थी शुभम सोनी ने शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि दीवान भेड़ी के इलाके में 11 केवी तार के विस्तार का काम चल रहा था। जिसके लिए 4 टन एल्युमिनियम तार डंप किया गया था। जिसकी कीमत करीब 10 लाख रुपए हैं। शिकायत के बाद पुलिस ने आसपास के हिस्सों के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जिसमें मालवाहक क्रमांक सीजी 04 क्यूजे 0363 संदिग्ध स्थिति में देखा गया। पुलिस ने उक्त वाहन की पहचान कर रायपुर-बिलासपुर हाईवे पकड़ा। पूछताछ में सामने आया कि रायपुर निवासी आरोपी मो. हसरत खान और महफूज खान ने तार की चोरी की थी। जिसके बेचने दोनों बिलासपुर लेकर जा रहे थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में भेज दिया है।

15 ग्राम हेरोइन के साथ युवक गिरफ्तार, स्मृति नगर में ग्राहक की तलाश में पकड़ाया

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। स्मृति नगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार को अवैध रूप से चिट्टा/हेरोइन की बिक्री करने वाले युवक को गिरफ्तार किया गया। तलाशी लेने पर उसके पास से 15 ग्राम प्रतिबंधित मादक पदार्थ बरामद किया गया। जब्त चिट्टा की कीमत 3,40,000 रुपए बताई जा रही है। साथ ही आरोपी के पास से मोबाइल फोन भी जब्त किया गया। इस तरह कुल 3,70,000 मूल्य की संपत्ति जब्त की गई।

मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति जुनवानी से खम्हरिया की ओर अवैध रूप से प्रतिबंधित मादक पदार्थ चिट्टा/हेरोइन बिक्री हेतु ग्राहक की तलाश में जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा तत्काल ग्राम खम्हरिया क्षेत्र में घेराबंदी कर संदेही को पकड़ा गया।

पूछताछ एवं विधिवत तलाशी लेने पर उसके कब्जे से दो पैकेटों में ल 15 ग्राम चिट्टा/हेरोइन तथा घटना में प्रयुक्त एक रेडमी कंपनी का मोबाइल फोन बरामद किया गया। बरामद चिट्टा/हेरोइन की अनुमानित कीमत 3,40,000 तथा मोबाइल सहित कुल जप्ती लगभग 3,70,000 है। आरोपी ने अपना नाम हर्ष देव सिंह विज निवासी शांतिनगर भिलाई बताया है। आरोपी के विरुद्ध धारा 21(ख), एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर गिरफ्तार किया गया तथा न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। उक्त कार्रवाई में पुलिस चौकी स्मृतिनगर के अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा मुखबिर सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रभावी घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार करने तथा प्रतिबंधित मादक पदार्थ बरामद करने में सराहनीय भूमिका निभाई गई। नशे एवं मादक पदार्थों के अवैध कारोबार से संबंधित किसी भी प्रकार की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

रेलवे परिसरों की बस्तियों में किराएदारों की पहचान के लिए जीआरपी ने चलाया अभियान

पुलिस बल की दस्तक से असामाजिक तत्वों में मची हड़कंप

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। रेलवे परिसरों और नजदीकी कॉलोनियों में सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद करने तथा संदिग्ध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से शासकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) की टीम ने अलसुबह स्टोर पारा पुरैना क्षेत्र में एक विशेष व व्यापक सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस अचानक हुई पुलिस कार्रवाई से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। खासकर असामाजिक तत्वों में सुबह सुबह भारी पुलिस बल की मौजूदगी देख अफरा-तफरी सी मच गई। अभियान का मुख्य उद्देश्य बाहर से आकर किराए के मकानों में रह रहे लोगों की पहचान सुनिश्चित करना और असामाजिक तत्वों की धरपकड़ करना था।

तड़के शुरू हुए इस चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस बल ने घर-घर जाकर बाहरी जिलों व राज्यों से आकर किराए पर रह रहे लोगों की गहन जांच-पड़ताल की। पुलिस अधिकारियों द्वारा रहवासियों से उनके पहचान पत्र, विशेष रूप से आधार कार्ड और मूल निवास संबंधी दस्तावेज मांगे गए। जांच के दौरान कुछ संदिग्ध पाए गए व्यक्तियों के आधार कार्ड सत्यापन हेतु संग्रहित किए गए हैं, जिनकी जांच पुलिस रिकॉर्ड से कराई जाएगी। इसके साथ ही मकान मालिकों को सख्त चेतावनी दी गई है कि वे बिना पुलिस सत्यापन के किसी भी व्यक्ति को किराए पर मकान न दें।

इस बड़े पैमाने पर चलाए गए अभियान की कमान जीआरपी के वरिष्ठ अधिकारियों ने खुद संभाल रखी थी। कार्रवाई के दौरान जीआरपी भिलाई थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह, चरोदा चौकी प्रभारी गोपीनाथ पैकरा और दुर्ग चौकी प्रभारी राजेश मिश्रा सहित भारी संख्या में पुलिस बल शामिल रहा। पुलिस जवानों ने पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर एक-एक गली और संदिग्ध ठिकानों की बारीकी से तलाशी ली।

अवैधानिक कृत्यों के चर्चित है इलाका

भिलाई-3 के नजदीक पुरैना का स्टोर पारा जुआ, सट्टा और नशे के अवैध कारोबार को लेकर हमेशा से सुर्खियों में रहा है। बाहर से आकर असामाजिक तत्वों के यहां रहने की सूचना समय - समय पर मिलती रहती है। वहीं अवैध कारोबार में लिप्त असामाजिक तत्वों के बीच आपसी प्रतिद्वंदिता के चलते मारपीट और हत्या जैसी वारदात घटनाएं कई बार हो चुकी है।

स्टोर पारा की बसाहट रेलवे की जमीन पर होने से कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी जीआरपी संभालती है। जबकि स्टोर पारा से लगे पुरैना का डाक-बंगला पारा भिलाई-3 और स्लैग डंप क्षेत्र भिलाई भट्ठी थाने में शामिल है।

सुरक्षा के लिए आगे भी जारी रहेगा अभियान

जीआरपी अधिकारियों के अनुसार, रेलवे ट्रैक और स्टेशन से सटे इलाकों में बाहरी व असामाजिक तत्वों की आवाजाही पर नजर रखना बेहद जरूरी है। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा आपराधिक गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए इस प्रकार के अचानक चलाए जाने वाले चेकिंग अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे। जीआरपी थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह ने स्थानीय नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

रायपुर में युवक के सिर पर वॉशबेसिन उखाड़कर मारा, तीन आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राजधानी रायपुर में एक क्लिनिक के अंदर युवक पर जानलेवा हमले का मामला सामने आया है। अस्पताल परिसर में थूकने से मना करने पर तीन युवकों ने पहले गाली-गलौज की फिर उसे जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद क्लिनिक का वॉशबेसिन उखाड़कर युवक के सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिए।

हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तीन घंटे के भीतर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। यह मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है।

पुलिस के अनुसार, 6 अगस्त की शाम करीब 6 बजे प्रखर रजन क्लिनिक के बाहर खड़ा था। तभी अमन निहाल, विशाल सोनी और अमन यादव नशे की हालत में वहां पहुंचे। तीनों क्लिनिक में रखी वेट मशीन पर अपना वजन करने लगे और अस्पताल परिसर में थूकने लगे। यह देखकर प्रखर के भाई अनिमेष मेश्राम ने उन्हें ऐसा करने से मना किया। इसी बात को लेकर विवाद शुरू हो गया। इसके बाद तीनों आरोपियों ने मिलकर अनिमेष से गाली-गलौज की और उसे जान से मारने की धमकी दी।

आरोप है कि अमन निहाल ने क्लिनिक का वॉशबेसिन उखाड़कर अनिमेष के सिर और शरीर पर कई बार वार किए। वहीं अमन यादव ने प्लास्टिक की कुर्सी और विशाल सोनी ने लकड़ी के डंडे से हमला किया। हमले में अनिमेष के सिर, बाएं हाथ, कान के पास और आंख के ऊपर गंभीर चोटें आईं।

गवाहों से पूछताछ और तकनीकी जांच के आधार पर महज तीन घंटे के भीतर अमन निहाल (23), विशाल सोनी (20) और अमन यादव (20) को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल किया गया वॉशबेसिन का हिस्सा, प्लास्टिक की कुर्सी और लकड़ी का डंडा जब्त किया गया है। पुलिस मामले आगे की कार्रवाई कर रही है।

राजधानी में 15.5 किलो गांजा सप्लाई करने पहुंचे एमपी के दो युवकों को 10-10 साल की जेल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायपुर की विशेष एनडीपीएस कोर्ट ने 15.5 किलो गांजा तस्करी के मामले में दो आरोपियों को दोषी करार देते हुए 10-10 साल की सजा और 1-1 लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। दोनों आरोपी मार्च 2021 में नेहरु नगर पुलिस लाइन के पास बाइक पर गांजा लेकर सप्लाई करने के इंतजार में खड़े थे। मुखबिर की सूचना पर सिटी कोतवाली पुलिस ने घेराबंदी कर उन्हें गिरफ्तार किया था।

विशेष न्यायाधीश शैलेश शर्मा (एनडीपीएस एक्ट), ने मामले की सुनवाई के बाद आरोपी पवन सिंह गोंड (30) और शोभनाथ केंवट (32), को दोषी ठहराते हुए यह सजा सुनाई। मामले में शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक स्वाति शर्मा ने पैरवी की। दोनों आरोपी उमरिया मध्य प्रदेश के रहने वाले है।

अभियोजन के अनुसार, 23 मार्च 2021 को सिटी कोतवाली में पदस्थ सहायक उपनिरीक्षक मोहम्मद असरार अली को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो युवक नीले रंग की होंडा शाइन मोटरसाइकिल से पुलिस लाइन, धमतरी गेट स्थित शराब भट्ठी के पास पीपल के पेड़ के नीचे खड़े हैं।

उनके पास बड़ी मात्रा में गांजा है और वे किसी को सप्लाई करने का इंतजार कर रहे हैं। सूचना मिलने के बाद पुलिस अधिकारियों को जानकारी देकर पुलिस टीम स्वतंत्र गवाहों के साथ मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को पकड़ लिया।

प्लास्टिक बोरी से मिला 15.5 किलो गांजा

पुलिस ने आरोपियों के पास रखी प्लास्टिक की बोरी की जांच करने पर उसमें गांजा मिला। मौके पर इलेक्ट्रॉनिक कांटे से वजन कराने पर कुल 15 किलो 500 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने गांजे का नमूना लेकर एफएसएल जांच के लिए भेजा और शेष मादक पदार्थ को जब्त कर दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया।

स्कूल स्टाफ से बीमा प्रीमियम के नाम पर 89 हजार ठगे

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। दुर्ग जिले के भिलाई नगर थाना क्षेत्र में साइबर ठगी का मामला सामने आया है। यहां एक स्कूल स्टाफ को साइबर ठग ने उनकी पत्नी की बीमा पॉलिसी का दूसरा प्रीमियम जमा करने के नाम पर अपने जाल में फंसा लिया। आरोपी ने पहले फोन पर पॉलिसी से जुड़ी जानकारी बताकर भरोसा जीता। इसके बाद 1 लाख 7 हजार 455 रुपए का प्रीमियम जमा करने की बात कही और डी2सी कोड से करीब 18 हजार रुपए कम भुगतान होने का झांसा दिया। इसके बाद WhatsApp पर पेमेंट लिंक भेजकर पीड़ित से 89 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर करा लिए। मामले में सेक्टर-10 निवासी अनिल कुमार पी. (58) ने भिलाई नगर थाने में लिखित शिकायत दी है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने धारा 318(4) बीएनएस के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित ने पुलिस को बताया कि 28 जुलाई 2026 को दोपहर करीब 1:45 बजे वह डीपीएस स्कूल में अपने कार्यालय में थे। इसी दौरान उनके मोबाइल पर एक व्यक्ति का फोन आया। फोन करने वाले ने अपना नाम राहुल शर्मा बताया। उसने अनिल की पत्नी के नाम से चल रही मैक्स लाइफइंश्योरेंस पॉलिसी की जानकारी दी। आरोपी ने कहा कि पॉलिसी का दूसरा प्रीमियम पेंडिंग है और इसके लिए 1 लाख 7 हजार 455 रुपए जमा करने होंगे। पॉलिसी से संबंधित जानकारी आरोपी को पता होने के कारण अनिल को उस पर भरोसा हो गया। आरोपी ने कहा कि वह कुछ देर के लिए एक जेन्युइन लिंक उपलब्ध कराएगा, जिसके जरिए भुगतान किया जा सकेगा। इसके बाद एक अन्य मोबाइल नंबर से मैक्स लाइफ इंश्योरेंस के नाम से पेमेंट लिंक भेजा गया।

शिकायत के मुताबिक, फोन करने वाला आरोपी अनिल को जिस तरह भुगतान की प्रक्रिया बताता गया, वह उसी तरह करते गए। लिंक खोलकर पॉलिसी नंबर दर्ज किया गया। इसके बाद आरोपी ने एक बैंक खाता नंबर बताया और उसे मैक्स लाइफ इंश्योरेंस कंपनी का बैंक खाता बताया। पीड़ित के मुताबिक, खाते में कंपनी का नाम सत्यापित होने के बाद उन्होंने अपने Google Pay के जरिए 89 हजार रुपए बताए गए खाते में ट्रांसफर कर दिए। भुगतान के बाद पेमेंट की रिसीविंग भी भेजी गई। रसीद मिलने के बाद अनिल को लगा कि उनकी पत्नी की बीमा पॉलिसी का प्रीमियम सद्धत्तलतापूर्वक जमा हो गया है।

पैसे ट्रांसफर करने के बाद जब करीब दो दिन तक पॉलिसी का ऑनलाइन रिकॉर्ड अपडेट नहीं हुआ, तो अनिल को संदेह हुआ। उन्होंने भुगतान से संबंधित जानकारी की जांच की, तब उन्हें अपने साथ ऑनलाइन धोखाधड़ी होने का पता चला। इसके बाद उन्होंने मामले की शिकायत साइबर सेल भिलाई भट्ठी में दर्ज कराई। शिकायत का एकनॉलेजमेंट नंबर भी प्राप्त हुआ। साथ ही उन्होंने पंजाब नेशनल बैंक में भी ऑनलाइन ठगी की शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि 89 हजार रुपए किस खाते में पहुंचे और इस रकम को आगे किन खातों में ट्रांसफर किया गया। साथ ही ठगी में इस्तेमाल मोबाइल नंबरों की भी जांच की जा रही है। पुलिस की जांच के बाद ही इस साइबर ठगी में शामिल आरोपियों और पूरे नेटवर्क का खुलासा हो सकेगा।

युवती का अश्लील वीडियो सोशल मीडिया में वायरल करने वाला आरोपी यूपी से गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सोशल मीडिया पर अश्लील वीडियो प्रसारित कर पीड़िता को प्रताड़ित करने वाले आरोपी युवक को खुर्सीपार पुलिस ने उत्तर प्रदेश के देवरिया से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के विरुद्ध अपराध धारा 79 बीएनएस तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66E, 67 एवं 67 के तहत वैधानिक कार्यवाही की गई। विशेष पुलिस टीम द्वारा लगातार पतासाजी एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी का पता लगाकर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

इस मामले में प्रार्थिया द्वारा 14 जुलाई 2026 को खुर्सीपार थाने में उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पीडिता ने बताया कि मनीष साहनी द्वारा वीडियो कॉल के दौरान उसकी जानकारी एवं सहमति के बिना अश्लील वीडियो रिकॉर्ड कर लिया गया। इसके बाद उसने उक्त वीडियो को मोबाइल फोन के माध्यम से उसके रिश्तेदारों के

व्हाट्सएप पर भेजकर सोशल मीडिया में प्रचार-प्रसार किया, जिससे पीड़िता की निजता एवं प्रतिष्ठा प्रभावित हुई।

प्रार्थिया की रिपोर्ट एवं उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर थाना खुर्सीपार में अपराध क्रमांक 279/2026 पंजीबद्ध कर धारा 79 भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 66श्र, 67 एवं 67 के अंतर्गत अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए थाना खुर्सीपार से एक विशेष पुलिस टीम गठित कर आरोपी की गिरफ्तारी हेतु देवरिया (उत्तर प्रदेश) रवाना किया गया। लगातार पतासाजी एवं तकनीकी विश्लेषण के आधार पर आरोपी मनीष साहनी को चिन्हित कर पूछताछ की गई, जिसने अपराध करना स्वीकार किया। इसके पश्चात आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया।

उक्त कार्यवाही में थाना खुर्सीपार के थाना प्रभारी निरीक्षक लक्ष्मण केंवट, पीएसआई सौरभ, सहायक उप निरीक्षक तुलसी, सहायक उप निरीक्षक राजमणि सिंह, प्रधान आरक्षक सुरेश मिश्रा एवं थाना स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि सोशल मीडिया का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करें। किसी भी व्यक्ति की निजी फोटो अथवा वीडियो का अवैध रूप से प्रसारण करना दण्डनीय अपराध है। ऐसी किसी भी घटना की सूचना तत्काल निकटतम पुलिस थाना अथवा साइबर हेल्पलाइन को दें। साइबर अपराध करने वालों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, **TAHAL SINGH** S/o **GURNAM SINGH**. Resident of : house no. 257, punjabi mohalla, jagir chowk, new khursipar, bhilai,, Distt. – Durg (C.G.) 490011 have changed my old name to new name **TAHAL SINGH SIDHU** S/o **GURNAM SINGH SIDHU** so that I should be recognized by my new name that is **TAHAL SINGH SIDHU** in all Government and other documents.

TAHAL SINGH SIDHU
house no. 257, punjabi mohalla, jagir chowk, new khursipar, bhilai,, Distt. – Durg (C.G.) 490011

नाम परिवर्तन

मैं नीलम निहिचालानी (NEELAM NIHICHALANI) सुपुत्री ओम प्रकाश निहिचालानी (OM PRAKASH NIHICHALANI) निवासी एमआईजी सी 149 वार्ड नं 10 वैशाली नगर सुपेला भिलाई पिन कोड 490023 तह/जिला दुर्ग (छ.ग.) का स्थायी निवासी हूँ। मेरा पुराना नाम नीलम निहिचालानी (NEELAM NIHICHALANI) है और मैं शादी के बाद अपना नाम बदलकर वेदिका वासवानी (VEDIKA VASWANI) पति जगदीश वासवानी (JAGDISH VASWANI) (नया नाम) करवाना चाहती हूँ। मेरे पुराने नाम से किसी भी न्यायालय में कोई भी प्रकरण लंबित नहीं है और न ही किसी बैंक में ऋण की राशि शेष है। मैं नाम बदलकर, यदि कोई, गैर कानूनी काम करती हूं, तो उसके लिए मैं पूर्णत: स्वयं जिम्मेदार रहूंगी। मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशोहवास में रहकर हस्ताक्षर कर रही हूं तथा सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रही हूं।

शपथकर्ता
वेदिका निहिचालानी

नाम परिवर्तन

मैं सरिता देवी आत्मज विजय कुमार साव पता शास्त्री चौक कैम्प 1 सुपेला भिलाई तह व जिला दुर्ग (छ.ग.)पिन कोड 490023 का निवासी हूँ। मैं अपने नाबालिग पुत्र विनीत कुमार (VINIT KUMAR) से बदलकर विनित साव (VINIT SAO) करवाना चाहती हूँ। मैं अपने पुत्र का नाम बदलकर यदि कोई गैर कानूनी काम करती हूं तो उसके लिए स्वयं जिम्मेदार रहूंगी। मेरे पति विजय कुमार साव (VIJAY KUMAR SAO) को हमारे नाबालिग पुत्र के नाम बदलने में कोई आपत्ति नही है। मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशोहवास में रहकर हस्ताक्षर कर रही हूं तथा सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रही हूं।

शपथकर्ता
सरिता देवी

10 लीटर अवैध महुआ शराब जब्त, दो आरोपी गिरफ्तार

महासमुंद। अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और परिवहन. के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत महासमुंद जिले की पिथौरा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 10 लीटर हाथ भट्ठी से निर्मित महुआ शराब जब्त की है। सूचना पर पिथौरा पुलिस ने गवाहों की मौजूदगी में मौके पर घेराबंदी कर रेड कार्रवाई की। आरोपियों के कब्जे से कुल 10 लीटर हाथ भट्ठी निर्मित महुआ शराब, जिसकी अनुमानित कीमत 2,000 रुपये है, बरामद कर जब्त की गई। पुलिस ने आरोपियों मनीराम साहू निवासी ग्राम टेका और पुनीत राम बरिहा, थाना पिथौरा, जिला महासमुंद के विरुद्ध थाना पिथौरा अपराध क्रमांक 197/2026 के तहत आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) में मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया।

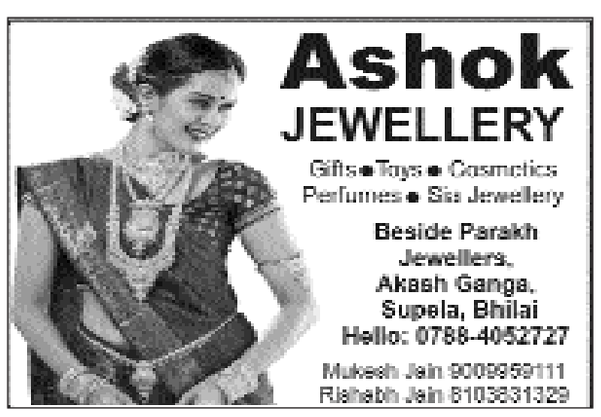

कोसा की चमक अब वैश्विक बाजार तक

मुख्यमंत्री ने लॉन्च किया छत्तीसगढ़ का प्रीमियम हैंडलूम ब्रांड 'कोशल फैब'

स्वदेशी को नई उड़ान : राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर मुख्यमंत्री साय ने बुनकरों एवं शिल्पकारों को 10.90 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता एवं पुरस्कार राशि प्रदान की

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित प्रदेश स्तरीय बुनकर सम्मेलन एवं स्वदेशी प्रदर्शनी में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने रेशम, हथकरघा, हस्तशिल्प, खादी एवं माटीकला बोर्ड के विभिन्न हितग्राहियों तथा मेधावी छात्र-छात्राओं को 10 करोड़ 90 लाख रुपये से अधिक की अनुदान एवं पुरस्कार राशि वितरित की। इस दौरान मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ राज्य हथकरघा संघ के नए प्रीमियम हैंडलूम ब्रांड 'कोशल फैब' का शुभारंभ करते हुए उसके लोगो एवं कैटलॉग का विमोचन किया। साथ ही उन्होंने हथकरघा इन्वेंट्री मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर का भी शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों, विशेषकर बुनकरों एवं शिल्पकारों को, राष्ट्रीय हथकरघा दिवस की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि 7 अगस्त 1905 को प्रारंभ हुए स्वदेशी आंदोलन की स्मृति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2015 में इस दिवस को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ का कोसा, बस्तर की बुनाई तथा प्रदेश के पारंपरिक हथकरघा उत्पाद देश-दुनिया में अपनी विशिष्ट पहचान बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य छत्तीसगढ़ के हथकरघा उत्पादों को 'लोकल टू ग्लोबल' की नई पहचान दिलाना है। इसके लिए आधुनिक डिज़ाइन, कौशल उन्नयन, प्रशिक्षण, ब्रांडिंग, विपणन तथा नए बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि उनकी सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के अंतर्गत किए गए अधिकांश वादों को राज्य सरकार ने पूरा किया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से लाखों गरीब परिवारों का पक्के घर का सपना साकार हो रहा है। किसानों को धान खरीदी की अंतर राशि का भुगतान, भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता, महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं का आर्थिक सशक्तीकरण तथा तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए चरण पादुका योजना का पुनः संचालन सरकार की जनकल्याणकारी सोच का प्रमाण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रामलला दर्शन योजना के माध्यम से प्रदेश के 50 हजार से अधिक श्रद्धालु प्रभु श्रीराम के दर्शन कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पारदर्शी, जवाबदेह एवं भ्रष्टाचार-मुक्त शासन व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध है। ई-ऑफिस व्यवस्था, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 तथा सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से आम नागरिकों को समयबद्ध, पारदर्शी और घर बैठे शासकीय सेवाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना तथा आत्मनिर्भर और समृद्ध छत्तीसगढ़ का निर्माण करना है।

आत्मसमर्पित महिलाओं का रैंप वॉक बना आकर्षण का केंद्र

कार्यक्रम का सबसे प्रेरक और भावनात्मक क्षण वह रहा, जब बस्तर की आत्मसमर्पित नक्सली महिलाओं ने स्वदेशी फैशन शो में आत्मविश्वास के साथ रैंप वॉक किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ के पारंपरिक कोसा सिल्क एवं अन्य हैंडलूम परिधानों का आकर्षक प्रदर्शन किया। यह प्रस्तुति मुख्यधारा से जुड़कर आत्मनिर्भर जीवन की ओर बढ़ती महिलाओं के आत्मविश्वास, सम्मानजनक पुनर्वास और बदलते बस्तर की सकारात्मक तस्वीर की सशक्त अभिव्यक्ति थी। उपस्थित लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आत्मसमर्पित महिलाओं से आत्मीय संवाद किया, उनका उत्साह बढ़ाया और उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। इनमें से लगभग सभी महिलाएँ पहली बार रायपुर पहुँची थीं। यह अनुभव उनके जीवन की अविस्मरणीय स्मृतियों का हिस्सा बन गया।

मुख्यमंत्री ने स्वदेशी प्रदर्शनी एवं स्टॉलों का अवलोकन किया, खरीदी कोसा साड़ी

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्वदेशी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य हथकरघा संघ, बिलासा हैंडलूम, खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, हस्तशिल्प विकास बोर्ड, सबरी एम्पोरियम तथा माटीकला बोर्ड सहित विभिन्न संस्थाओं द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कोसा, खादी, हस्तशिल्प, मृद्शिल्प एवं अन्य पारंपरिक उत्पादों का अवलोकन करते हुए कारीगरों से संवाद किया तथा उत्पादों की गुणवत्ता, विपणन और रोजगार की संभावनाओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने स्थानीय उत्पादों को अधिकाधिक अपनाने और प्रोत्साहित करने का आह्वान किया। प्रदर्शनी के दौरान उन्होंने हथकरघा स्टॉल से स्वयं तत्काल भुगतान कर कोसा साड़ी खरीदी। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों की खरीद ही बुनकरों और शिल्पकारों के श्रम एवं कौशल का सबसे बड़ा सम्मान है।

बुनकरों के लिए सुशासन सरकार की बड़ी पहल

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार बुनकरों एवं शिल्पकारों के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले ढाई वर्षों में 469 आवासविहीन बुनकर परिवारों के लिए बुनकर शेड सह आवास निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि इसी अवधि में आयोजित 47 प्रदर्शनियों के माध्यम से लगभग 10 करोड़ रुपये के हथकरघा उत्पादों की बिक्री हुई, जिससे बुनकरों को बेहतर बाजार उपलब्ध हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि हथकरघा क्षेत्र में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसे ध्यान में रखते हुए पिछले ढाई वर्षों में 2,001 महिला स्व-सहायता समूहों को सिलाई पारिश्रमिक के रूप में 68 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा पाँच विक्रय भंडारों तथा केंद्रीय वस्त्रागार के माध्यम से विभिन्न शासकीय विभागों को 93 करोड़ रुपये के वस्त्र उपलब्ध कराए गए हैं। इसके अतिरिक्त बुनकरों द्वारा निर्मित 436 करोड़ रुपये के वस्त्रों की शासकीय खरीदी कर उन्हें आर्थिक संबल प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार हथकरघा उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी दिशा में देश के पाँच प्रमुख हवाई अड्डों पर छत्तीसगढ़ के हैंडलूम एवं हस्तशिल्प उत्पादों के शोरूम स्थापित किए जा रहे हैं। वहीं, रायपुर में निर्माणाधीन यूनिटी मॉल स्थानीय उत्पादों को आधुनिक विपणन मंच उपलब्ध कराएगा। उन्होंने कहा कि नवा रायपुर में प्रदेश की पहली गारमेंट इकाई स्थापित की जा रही है, जिससे 4,500 से अधिक लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। साथ ही नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफफैशन टेक्नोलॉजी (निफ्ट) की स्थापना से प्रदेश के युवाओं को डिजाइन एवं टेक्सटाइल क्षेत्र में नए अवसर मिलेंगे और छत्तीसगढ़ का हैंडलूम उद्योग नई ऊँचाइयों तक पहुँचेगा।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि प्रदेश में लगभग 1 लाख 20 हजार परिवार हथकरघा एवं इससे संबंधित गतिविधियों से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रीय हथकरघा दिवस की शुरुआत किए जाने से इस क्षेत्र को नई पहचान और नई ऊर्जा मिली है। उन्होंने सभी नागरिकों से प्रत्येक वर्ष कम से कम एक हथकरघा उत्पाद खरीदने का आग्रह करते हुए कहा कि बुनकरों की मेहनत, उनकी कला और हमारी समृद्ध परंपरा को जीवित रखना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। ग्रामोद्योग मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि 7 अगस्त 1905 को प्रारंभ हुए स्वदेशी आंदोलन ने देश में आत्मनिर्भरता की अलख जगाई थी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की कोसा साड़ी का देशभर में विशिष्ट स्थान है और राज्य सरकार हथकरघा, हस्तशिल्प तथा ग्रामोद्योग को प्रोत्साहन देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार बुनकरों, शिल्पकारों और स्थानीय उद्यमियों को नए अवसर उपलब्ध कराने तथा उनके उत्पादों को व्यापक बाजार दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य हथकरघा संघ के नए प्रीमियम हैंडलूम ब्रांड 'कोशल फैब' का शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ब्रांड के लोगो एवं कैटलॉग का विमोचन भी किया। 'लूम टू लग्जरी' की अवधारणा पर आधारित यह प्रीमियम ब्रांड छत्तीसगढ़ के कोसा एवं पारंपरिक हथकरघा उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में नई पहचान दिलाने तथा उन्हें वैश्विक स्तर तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मुख्य सचिव ने नक्सल मुक्त क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास और बुनियादी सुविधाओं को प्राथमिकता देने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में कैम्पा की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित की गई। बैठक में वनों के संरक्षण, पर्यावरण विकास और वनांचल क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार को लेकर कई अहम निर्णय लिए गए।

मुख्य सचिव ने वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कैम्पा मद के तहत वन क्षेत्रों में पुल-पुलियों, पहुंच मार्गों और आवश्यक भवनों के निर्माण को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने विशेष रूप से नक्सल मुक्त हुए क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास के कार्यों में तेजी लाने पर जोर दिया, ताकि इन सुदूर क्षेत्रों तक शासन की पहुंच और विकास का लाभ त्वरित गति से पहुंच सके।

बैठक के दौरान विभाग के अधिकारियों ने अवगत कराया कि वर्ष 2026-27 के लिए 713 करोड़ 73 लाख रुपये की वार्षिक कार्ययोजना को अनुमोदित कर अंतिम स्वीकृति हेतु केंद्र सरकार (पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय) को भेज दिया गया है, जिसमें से 436 करोड़ 19 लाख रुपये की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है।

इसके अलावा बैठक में वर्ष 2024-25 और 2025-26 के दौरान हुए कार्यों की प्रगति की समीक्षा भी की गई। इस उच्च स्तरीय बैठक में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ, पीसीसीएफअरूण पाण्डेय, आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा, वित्त सचिव डॉ. रोहित यादव, आवास एवं पर्यावरण सचिव अंकित आनंद, कैंपा सीईओ शालिनी रैना सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

पर्यावरण व वन्यजीव संरक्षण पर ध्यान

छत्तीसगढ़ में कैम्पा निधि से किए जा रहे कार्यों की जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि राज्य में सिंचित व असिंचित वृक्षारोपण, क्षतिपूर्ति वनीकरण, बांस वनों की पुनर्स्थापना, वनों के घनत्व में वृद्धि के लिए सिल्वीकल्चरल कार्य, वन्यप्राणी प्रबंधन, चरागाह विकास, चेक डैम व तालाबों के माध्यम से भू-जल संरक्षण और कनेक्टिविटी सुधार के कार्य निरंतर जारी हैं।

छत्तीसगढ़ में 'हर घर तिरंगा' और 'वंदे मातरम' अभियान की धूम

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। देश भर में 'हर घर तिरंगा' अभियान 9 से 17 अगस्त 2026 तक मनाया जा रहा है। इस वर्ष यह राष्ट्रव्यापी उत्सव 'वंदे मातरम' के 150वें वर्ष के स्मरणोत्सव को समर्पित है, जिससे देशभक्ति का माहौल और अधिक बढ़ गया है ।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में इस वर्ष का स्वतंत्रता पर्व जनभागीदारी और राष्ट्रप्रेम का व्यापक जनआंदोलन बनने जा रहा है। संस्कृति विभाग द्वारा केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों के तहत 7 से 17 अगस्त तक प्रदेशभर में 'हर घर तिरंगा' अभियान, 'वंदे मातरम' गायन और विभिन्न सांस्कृतिक व देशभक्ति कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया जाएगा।

संस्कृति विभाग के अनुसार, राज्य के सभी जिलों में 9 से 17 अगस्त 2026 तक 'हर घर तिरंगा' अभियान चलाया जाएगा, जबकि 7 से 15 अगस्त तक 'वंदे मातरम' गायन और संबंधित सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित होंगी। 15 अगस्त को ध्वजारोहण के बाद पूरे प्रदेश में बड़े पैमाने पर सामूहिक राष्ट्रगान और वंदे मातरम् गायन होगा।

तिरंगा सेल्फी नागरिक अपने घरों पर फहराए गए तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर 'हर घर तिरंगा' पोर्टल पर अपलोड कर सकेंगे। सार्वजनिक स्थलों पर तिरंगा कैनवास, तिरंगा मेले और देशभक्ति कॉन्सर्ट आयोजित किए जाएंगे, जिससे स्थानीय स्वदेशी उत्पादों व कारीगरों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। प्रदेशभर में ऑडियो और वीडियो बूथ स्थापित किए जाएंगे, जहां नागरिक स्वयं वंदे मातरम् गाकर अपनी रिकॉर्डिंग अपलोड कर सकेंगे। 14 अगस्त को भारत विभाजन की विभीषिका और स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानों को याद करते हुए विशेष प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी। इस अवसर पर राज्य पुलिस बैंड द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर देशभक्ति गीतों की संगीतमय प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

तिरंगा यात्राएं, रैलियां और मैराथन

अभियान के दौरान सभी जिला मुख्यालयों, विकासखंडों, ग्राम पंचायतों और शैक्षणिक संस्थानों में तिरंगा यात्राएं, बाइक व कार रैलियां, मशाल रैलियां तथा तिरंगा मैराथन आयोजित की जाएंगी। इनमें जनप्रतिनिधियों, स्व-सहायता समूहों, पुलिस, NCC, NSS, स्काउट-गाइड और आम नागरिकों की सक्रिय सहभागिता रहेगी।

सन्ना में दिव्यांगजन प्रमाणीकरण एवं यूडीआईडी शिविर आयोजित

रायपुर। दिव्यांगजनों को आवश्यक सेवाएं एवं शासकीय योजनाओं का लाभ सहजता से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दिव्यांगजन प्रमाणीकरण एवं यूडीआईडी कार्ड निर्माण के लिए विशेष शिविर आयोजित किया गया। जशपुर जिले के सन्ना स्थित स्वास्थ्य केंद्र में शिविर में दिव्यांगता प्रमाण पत्र एवं यूडीआईडी कार्ड के साथ विभिन्न शासकीय पेंशन योजनाओं, सहायक उपकरण तथा दिव्यांगजनों के लिए ऋण संबंधी योजनाओं के आवेदन भी लिए गए। शिविर में कुल 103 दिव्यांगजन शामिल हुए। परीक्षण एवं प्रमाणीकरण के उपरांत 64 दिव्यांगजन यूडीआईडी कार्ड के लिए पात्र पाए गए। उपचार के लिए उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर किया गया तथा एक दिव्यांगजन का कृत्रिम अंग के लिए चिन्हांकन किया गया। शिविर के दौरान जरूरतमंद दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण भी वितरित किए गए।

जिला स्तरीय वन महोत्सवः 450 पौधों के सामूहिक रोपण के साथ पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

मंत्री राजेश अग्रवाल ने किया एक पेड़ माँ के नाम 3.0 अभियान का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वृक्ष केवल प्रकृति की शोभा या धरोहर नहीं हैं, बल्कि यह समग्र मानव जीवन और इस पृथ्वी पर हर सांस लेते जीव का प्रत्यक्ष आधार हैं। पौधारोपण से हमें ताजे फल, सब्जियां, और नीम, तुलसी जैसे पौधों से जीवन रक्षक औषधियाँ मिलती हैं। हरियाली मानव मन के तनाव को दूर कर मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य सुधारती है। पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल ने एयर लेयरिंग तकनीक से तैयार पीपल के पौधे का रोपण कर एक पेड़ माँ के नाम 3.0 अभियान का शुभारंभ किया।

उन्होंने प्रदेशवासियों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनके संरक्षण का आह्वान करते हुए कहा कि यह अभियान आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित एवं समृद्ध पर्यावरण सुनिश्चित करने की दिशा में एक सार्थक जनभागीदारी है। सरगुजा जिले के अंबिकापुर स्थित हर्राटिकरा में शुक्रवार को आयोजित जिला स्तरीय वन महोत्सव कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण के जनसंकल्प का सशक्त मंच बना। मंत्री अग्रवाल ने कहा कि वृक्ष केवल प्रकृति की धरोहर नहीं, बल्कि मानव जीवन के आधार हैं। उन्होंने लोगों से अपने जीवन के प्रत्येक महत्वपूर्ण अवसर को पौधारोपण से जोड़ने का आग्रह करते हुए विवाह समारोहों में मंडप (मड़वा) निर्माण के लिए वृक्षों की कटाई जैसी परंपराओं से बचने और पर्यावरण के अनुकूल विकल्प अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन तथा जन-जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। प्रत्येक नागरिक यदि एक पौधा लगाकर उसका संरक्षण करने का संकल्प ले, तो हरित और समृद्ध छत्तीसगढ़ का सपना शीघ्र साकार होगा।

कार्यक्रम में ट्री एटीएम के माध्यम से पौधारोपण की अभिनव व्यवस्था भी आकर्षण का केंद्र रही। वहीं किसान वृक्ष मित्र योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को नीलगिरी के पौधों का वितरण कर कृषि वानिकी को बढ़ावा देने की पहल की गई। वन विभाग ने जानकारी दी कि सरगुजा वनमंडल में इस वर्ष विभिन्न योजनाओं के माध्यम से अब तक 31 हजार 800 पौधों का रोपण किया जा चुका है, जिससे क्षेत्र में हरित आवरण बढ़ाने के प्रयासों को नई गति मिली है। राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर, महापौर अंबिकापुर मंजूषा भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह, सरगुजा रेंज के पुलिस महानिरीक्षक, वनमंडलाधिकारी, उप वनमंडलाधिकारी सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, सामाजिक संगठन एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने जनभागीदारी के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामूहिक संकल्प को और अधिक सशक्त बनाया।

वृक्षारोपण अभियान के तहत 450 पौधों का किया गया सामूहिक रोपण

कार्यक्रम के दौरान मंत्री अग्रवाल ने वन विभाग द्वारा रेस्क्यू की गई ब्लैक काइट (काली चील) को उसके प्राकृतिक आवास में मुक्त कर वन्यजीव संरक्षण और जैव विविधता संवर्धन का संदेश भी दिया। यह पहल वन्यजीवों के संरक्षण के प्रति समाज में संवेदनशीलता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण रही। वन महोत्सव के अंतर्गत आयोजित वृक्षारोपण अभियान में 450 पौधों का सामूहिक रोपण किया गया। इस अवसर पर गुलर, पीपल, शीशम, गुल्लू और बरगद सहित विभिन्न स्थानीय एवं पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण प्रजातियों के पौधे लगाए गए। जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों, एनसीसी के छात्र-छात्राओं, स्वयंसेवी संस्थाओं, वन प्रबंधन समितियों के सदस्यों तथा ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक अभियान में भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

स्मार्ट मीटर और 'मोर बिजली' ऐप से बदली ग्रामीणों की बिजली प्रबंधन की तस्वीर

स्मार्ट मीटर से बढ़ी पारदर्शिता, बिजली की बचत के साथ ऑनलाइन भुगतान भी हुआ आसान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश में स्मार्ट मीटर और 'मोर बिजली' ऐप के माध्यम से बिजली उपभोक्ताओं को पारदर्शी, सुविधाजनक और तकनीक आधारित सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। बालोद जिले के ग्राम पंचायत ओरमा में स्मार्ट मीटर की स्थापना के बाद ग्रामीणों के बिजली उपयोग के तरीके में उल्लेखनीय बदलाव आया है। अब उपभोक्ता प्रतिदिन अपनी बिजली खपत की जानकारी मोबाइल पर प्राप्त कर रहे हैं, जिससे ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग बढ़ा है और मासिक बिजली बिल में भी उल्लेखनीय कमी आई है।

ग्राम पंचायत ओरमा की सरपंच मंजूलता साहू ने बताया कि पहले बिजली की वास्तविक खपत का अनुमान लगाना कठिन होता था, लेकिन स्मार्ट मीटर और 'मोर बिजली' ऐप ने इस समस्या का समाधान कर दिया है। अब वे प्रतिदिन अपने घर की बिजली खपत देख पाती हैं और उसी के अनुरूप विद्युत उपकरणों का उपयोग करती हैं। उन्होंने बताया कि गर्मी के मौसम में अधिक उपयोग के कारण उनका बिजली बिल लगभग 1,200 रुपए आया था, लेकिन ऐप के माध्यम से नियमित निगरानी और ऊर्जा के नियंत्रित उपयोग से पिछले महीने उनका बिल घटकर लगभग 600 रुपए रह गया। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद सभी उपभोक्ताओं को 'मोर बिजली' ऐप का उपयोग अवश्य करना चाहिए, क्योंकि इससे बिजली की खपत, संभावित बिल और ऊर्जा बचत की जानकारी समय पर मिलती है।

ग्राम ओरमा के किसान नंदकुमार साहू ने बताया कि उनके घर और दुकान दोनों में स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं। 'मोर बिजली' ऐप के माध्यम से वे प्रतिदिन दोनों स्थानों की बिजली खपत अपने मोबाइल पर देख लेते हैं। इससे वे आवश्यकता के अनुसार बिजली का उपयोग नियंत्रित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि गर्मी के दिनों में कूलर, पंखे और अन्य उपकरणों के अधिक उपयोग से बिजली बिल बढ़ गया था, लेकिन पिछले महीने ऊर्जा के संतुलित उपयोग से बिल में उल्लेखनीय कमी आई है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950